page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/15/2025 1:46 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 कठुआ के कंडी क्षेत्रों में बंदरों का आतंक, किसानों की परेशानी बढ़ी

5 जसप्रीत बुमराह के 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 159 पर ढेर

8 भारत के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को मोदी की श्रद्धांजलि..

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10 — अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-280 | जम्मू तवी, शनिवार 15 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

आतंक मुक्त जम्मू-कश्मीर जल्द ही संभव : उपराज्यपाल

जम्मू, 14 नवंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू कश्मीर के लिए 2019 के बाद से हालात पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि 2021 से जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और 2019 के बाद से बुनियादी ढांचे में हुई तीव्र वृद्धि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के इतिहास में अभूतपूर्व है। उपराज्यपाल ने कहा कि औद्योगीकरण के हमारे प्रयास प्रभावशाली वृद्धि दर्शा रहे हैं। हमने जम्मू कश्मीर को एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाने और अपने लोगों के लिए कहीं अधिक समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए साहसिक निर्णय लिए हैं।उपराज्यपाल जम्मू के एमए स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह के पहले चरण के समापन समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर 20,000 से अधिक छात्रों और नागरिकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन

किया और एक विशाल जनसमूह को इसमें भाग लेने का अवसर मिला। दूसरा चरण 9 जनवरी 2026 से शुरू होगा। इस समारोह का आयोजन संस्कृति विभाग द्वारा किया गया था। उपराज्यपाल ने वंदे मातरम के 150वें वर्ष के समारोह में ऐतिहासिक भागीदारी के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि राष्ट्रीय गीत के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताह भर के समारोह में समग्र भागीदारी में जम्मू-कश्मीर ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आज, 20,000 से अधिक छात्रों और नागरिकों ने राष्ट्रीय गौरव का एक सशक्त प्रदर्शन करते हुए इसमें भाग लिया। उपराज्यपाल ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और समाज को प्रेरित करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने माँ भारती और उनके पुत्रों के बीच के बंधन को मजबूत किया और लोगों को स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उपराज्यपाल ने कहा कि हर भारतीय के हृदय में एक आंतरिक गीत है और वह है वंदे मातरम।

2019 के बाद से बुनियादी ढांचे में हुई तीव्र वृद्धि जम्मू-कश्मीर के इतिहास में अभूतपूर्व है- उपराज्यपाल सिन्हा

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब कोई वंदे मातरम गाता था तो दूसरे हृदय उसे गुनगुनाते थे। इस प्रकार एक मजबूत बंधन बना जो आज की युवा पीढ़ी को माँ भारती की सेवा के लिए प्रेरित करता है। उपराज्यपाल ने कहा कि समाज के हर वर्ग को बंकिम चंद्र के विचारों और आदर्शों का प्रसार करना चाहिए जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को आकार दिया और उनकी भावना का उपयोग जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को भविष्य में आगे ले जाने के लिए करना चाहिए।

देवयानी राणा की नगरोटा से जीत के साथ ही पहली बार जम्मू-कश्मीर में होंगी चार महिला विधायक

जम्मू, 14 नवंबर। भाजपा की देवयानी राणा ने शुक्रवार को नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा उपचुनाव जीतकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। अब जम्मू-कश्मीर में पहली बार चार महिला विधायक निर्वाचित होंगी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने 2008, 2014 और 2024 में तीन महिला विधायकों को चुना था जो अब तक का सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व है। 2008 और 2014 के चुनावों में जब सदन की सदस्य संख्या 87 थी, विधानसभा में निर्वाचित महिलाओं की हिस्सेदारी 3.4 प्रतिशत थी। 2022 में परिसीमन के बाद निर्वाचित सीटों की संख्या 90 हो जाने पर यह मामूली रूप से घटकर 3.33 प्रतिशत रह गई हालांकि नगरोटा से देवयानी की निर्णायक जीत ने विधायिका में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाकर 4.44 प्रतिशत कर दी है। वर्तमान विधानसभा की

अन्य निर्वाचित महिला सदस्यों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की नेता सकीना मसूद इट्टू हैं जो उमर अब्दुल्ला सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हैं, इसके अलावा शमीमा फिरदौस (एनसी) और शगुन परिहार (भाजपा) शामिल हैं।

इट्टू कुलगाम जिले के डीएच पोरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं जबकि फिरदौस शहर के हब्बाकदल क्षेत्र से तीन बार विधायक रही हैं। भाजपा की शगुन परिहार किश्तवाड़ विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बनी हैं।

भाजपा नेतृत्व ने नवनिर्वाचित विधायक देवयानी राणा का अभिनंदन किया

जम्मू, 14 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक देवयानी राणा के सम्मान में जम्मू स्थित पार्टी मुख्यालय में एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया। इस समारोह का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा ने किया जिनके साथ जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल, राज्यसभा सांसद इं. गुलाम अली खटाना, विधानसभा क्षेत्र प्रभारी एवं विधायक शाम लाल शर्मा, सह-प्रभारी भारत भूषण और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

खबर संक्षेप

डीएसपी सुनील सिंह जाँच लंबित रहने तक निलंबित, पुलिस मुख्यालय से संबद्ध

श्रीनगर, 14 नवंबर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शुक्रवार को डीएसपी सुनील सिंह को मामले की जाँच लंबित रहने तक निलंबित करने का आदेश दिया। वे तत्कालीन एसडीपीओ गांधी नगर जम्मू के रूप में कार्यरत थे। सरकारी आदेश संख्या 541-गृह, 2025 के अनुसार, जम्मू-कश्मीर सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम, 1956 के नियम 311 के तहत निलंबन शुरू किया गया है। निलंबन की अवधि के दौरान डीएसपी सुनील सिंह पुलिस मुख्यालय, जम्मू-कश्मीर से संबद्ध रहेंगे। यह आदेश उपराज्यपाल की स्वीकृति से जारी किया गया है और इस पर गृह विभाग के प्रमुख सचिव चंद्राकर भारती आईएएस के हस्ताक्षर हैं।

पुलिस ने अवंतीपोरा में अलगाववादी की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर, 14 नवंबर। पुलिस ने जम्मू-कश्मीर पीपुल्स लीग के अलगाववादी मोहम्मद याकूब शेख की संपत्ति कुर्क की है। यह कुर्की अतिरिक्त सत्र न्यायालय पुलवामा (एनआईए अधिनियम के तहत विशेष नामित न्यायालय) के आदेश पर की गई है। पुलिस के मुताबिक सर्वे संख्या 4008 के अंतर्गत आने वाले एक आवासीय मकान और 04 मरला ज़मीन को कुर्क किया गया है। यह ज़मीन अलगाववादी मोहम्मद याकूब शेख से संबंधित है, जो वर्तमान में पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस स्टेशन पंपोर में आईपीसी की धारा 121 और 121ए और यूएलए(पी) अधिनियम की धारा 10, 13 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 24/2024 के संबंध में की गई है।

मुख्य सचिव ने भर्ती नियमों के लिए एकल खिड़की प्रणाली का शुभारंभ किया

जम्मू, 14 नवंबर। सरकारी कामकाज में प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शुक्रवार भर्ती नियमों (आरआर) के लिए एकल खिड़की प्रणाली का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। इस शुभारंभ समारोह में वरिष्ठ प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया और यह जम्मू-कश्मीर के सभी विभागों में भर्ती नियमों के निर्माण, संशोधन और समय पर अनुमोदन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक प्रमुख शासन सुधार का प्रतीक है। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य सचिव ने इस पहल को एक अनूठा और परिवर्तनकारी उपाय बताया, जिसे भर्ती नियम प्रबंधन की संपूर्ण प्रक्रिया में एकरूपता, दक्षता और बेहतर निगरानी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि नई प्रणाली न केवल विभागीय कार्यप्रवाह को सरल बनाएगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक चरण की निगरानी की जाए और उसे निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

बडगाम उपचुनाव में जनता का फैसला सत्तारूढ़ एनसी के विरोध में : आगा सैयद मुंतज़िर

बडगाम, 14 नवंबर। बडगाम से पीडीपी के विजयी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतज़िर ने शुक्रवार को कहा कि उपचुनाव में जनता का फैसला सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विरोध में है, क्योंकि उसने अपने राजनीतिक और विकास संबंधी वादों को पूरा नहीं किया है।

मुंतज़िर ने जम्मू-कश्मीर के बडगाम विधानसभा उपचुनाव में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार आगा सैयद महमूद को लगभग 4,500 मतों के अंतर से हराया। मतगणना के अंत में मुंतज़िर को 21,576 वोट मिले, जबकि महमूद को 17,098 वोट मिले। मुंतज़िर ने मध्य कश्मीर जिले में संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला एनसी को जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि यह (जीत) 50 सालों की कड़ी मेहनत का नतीजा है और अब बडगाम के वोटों को सही प्रतिनिधित्व मिलेगा। यह 2024 में बडगाम के लोगों की उपेक्षा करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस को जवाब है। उन्होंने आगे कहा कि बडगाम के लोगों ने बदलाव और जवाबदेही के लिए वोट दिया है। इस बीच पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने पार्टी की जीत को जनता की जीत बताते हुए कहा कि मतदाता समझ गए हैं कि सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किए गए वादे खोखले साबित हुए हैं। मुफ्ती ने बडगाम में संवाददाताओं से कहा कि मैं बडगाम के लोगों को बधाई देना चाहती हूँ, यह बडगाम के लोगों की जीत है। उन्होंने एक ऐसी पार्टी चुनी है जो उनकी बेहतरी के लिए काम करेगी। मुफ्ती ने आगे कहा कि हमने लोगों को लगातार यह समझाया कि उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस को कई मौके दिए, यहाँ तक कि एक मुख्यमंत्री भी चुना लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस अपने वादों से मुकर गए। मुंतज़िर लोगों के लिए काम करेंगे और उनकी सेवा करेंगे। पिछले साल विधानसभा चुनावों में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से जीतने के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा सीट छोड़ने और अपने पारिवारिक गढ़ गांदरबल को चुनने के बाद बडगाम में उपचुनाव कराना ज़रूरी हो गया था।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद बड़ी कार्रवाई, पुलवामा में आतंकी उमर का घर सुरक्षाबलों ने आईईडी से उड़ाया

श्रीनगर, 14 नवंबर। दिल्ली विस्फोट में शामिल विस्फोटकों से लदी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी के घर को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया है। विस्फोट स्थल से एकत्र किए गए डीएनए नमूनों की जांच डॉ. उमर की मां के नमूनों से की गई और उसकी पहचान की पुष्टि हुई थी।

अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गुरुवार और शुक्रवार की दरम्यानी रात को की गई। सोमवार रात लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में 13 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए।

उमर विस्फोटकों से लदी हुई आई-20 कार चला रहा था। विस्फोट स्थल से एकत्र किए गए डीएनए नमूनों की जांच डॉ. उमर की मां के नमूनों से की गई और उसकी पहचान की पुष्टि हुई। उमर नबी अपने समुदाय में एक अकादमिक रूप से कुशल पेशेवर के रूप में जाना जाता था और पिछले दो वर्षों में कट्टरपंथी बन गया था। जांच में पाया गया कि वह बाद में कई कट्टरपंथी समूहों में शामिल हो गया था।

एक ताजा सीसीटीवी फुटेज में डॉ. उमर उन नबी को 10 नवंबर की तड़के हरियाणा के नूह जिले में स्थित

फिरोजपुर झिरका के मेवात टोल पर देखा गया था। इससे पहले सीसीटीवी फुटेज में डॉ. उमर उन नबी को आई-20 कार में बदरपुर सीमा के रास्ते राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करते हुए देखा गया था। मास्क पहने होने के बावजूद वीडियो में उसका चेहरा साफ दिखाई दे रहा था, जिससे उसकी पहचान पुख्ता हो गई। कार की पिछली सीट पर एक बड़ा बैग रखा हुआ दिखाई दे रहा था। टोल टैक्स का भुगतान करते समय डॉ. उमर बार-बार सीसीटीवी कैमरे में सीधे देख रहा था, जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे इस बात का एहसास था कि उस पर नजर रखी जा रही है।

नशा तस्कर जावेद अख्तर की लाखों की अचल संपत्ति कुर्क

कठुआ, 14 नवंबर। नशा तस्करों के खिलाफ अपने निरंतर प्रयासों के जारी रखते हुए कठुआ पुलिस ने एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में बिलावर पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में एक नशा तस्कर की लाखों की संपत्ति कुर्क की। जानकारी के अनुसार कुख्यात नशा तस्कर जावेद अख्तर पुत्र मोहम्मद लतीफ निवासी लोहाई मल्हार, मौजूदा पता ढेर फिंतर तहसील बिलावर कई एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में संलिप्त रहा है। उस पर पीआईटीएनडीपीएस के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। उसकी अचल संपत्ति की पहचान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति के रूप में की गई है जो अवैध तस्करी के माध्यम से अर्जित की गई थी। जिसके परिणामस्वरूप 12,26,303 रुपये मूल्य की एक मंजिला इमारत को जब्त कर लिया गया। यह कार्रवाई एसएचओ थाना बिलावर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 68 ए.2 (सी) और ई सहपठित 68-एफ के तहत की गई जो ड्रग तस्करों की संपत्ति कुर्क करने के प्रावधानों से संबंधित है।

बिहार में एनडीए को तीन-चौथाई से ज़्यादा बहुमत, 202 सीटें हासिल

पटना, 14 नवंबर। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम परिणामों के अनुसार, सत्तारूढ़ एनडीए ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत हासिल कर लिया है। 243 सदस्यीय सदन में अब तक 202 सीटें जीत ली हैं। भाजपा 89 सीटें जीतकर और छह अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे रहकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसकी सहयोगी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू ने 85 सीटें जीती हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 17 सीटें जीती हैं और सरकार बनाने के लिए पार्टी को 122 सीटों की जरूरत है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने पाँच सीटें जीती हैं, जबकि उपेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने तीन सीटें जीती हैं और एक पर आगे है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, राज्य मंत्री प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी और संजय सरावगी तथा भाजपा की मैथिली ठाकुर एनडीए खेमे से प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। राजद नेता और इंडिया ब्लॉक के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब और भाकपा (माले) लिबरेशन के संदीप सौरव विपक्षी खेमे से प्रमुख विजेताओं में शामिल थे। इंडिया ब्लॉक अब तक केवल 34 सीटें ही जीत पाया है। राजद ने 23 सीटें जीती हैं और दो अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें, भाकपा (माले) लिबरेशन ने दो सीटें और माकपा ने एक सीट जीती है।

उमर अब्दुल्ला ने अब जम्मू-कश्मीर पर शासन करने का नैतिक आधार खो दिया है : चुग

जम्मू, 14 नवंबर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रभारी तरुण चुग ने आज कहा कि दोनों उपचुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवारों की हार के बाद उमर अब्दुल्ला सरकार ने जम्मू-कश्मीर पर शासन करने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

उमर अब्दुल्ला द्वारा खाली की गई बडगाम विधानसभा सीट पर उमर अब्दुल्ला के लिए यह बहुत बड़ा अपमान है क्योंकि उन्होंने पहले यह सीट जीती थी और मतदाताओं से उनका साथ देने का वादा किया था। चुग ने कहा कि उमर अब्दुल्ला का कपटी राजनीतिक चरित्र उनके अपमान से पूरी तरह उजागर हो गया है। चुग ने कहा कि विधानसभा उपचुनाव के नतीजे उमर अब्दुल्ला सरकार की हर मोर्चे पर निराशाजनक विफलता को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की हार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जम्मू-कश्मीर की जनता कुछ खास परिवारों की राजनीति और उनके विभाजनकारी एजेंडे से आगे बढ़ने को तैयार है। नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार दियानी रानी की जीत की सराहना करते हुए, चुघ ने कहा कि राज्य की जनता ने एक बार फिर मोदी सरकार की विकास और प्रगतिशील नीतियों में अपना विश्वास और भरोसा जताया है।

उपचुनाव में पार्टी की जीत मौजूदा मुख्यमंत्री उमर के खिलाफ लोगों की भावनाओं को दर्शाती है :इल्तिजा मुफ्ती

बडगाम, 14 नवंबर। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि बडगाम विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत मौजूदा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ लोगों की भावनाओं को दर्शाती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 2024 के चुनावों के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ दिया है।

पीडीपी उम्मीदवार आगा सैयद मुंतज़िर मेहदी के विजयी घोषित होने के तुरंत बाद पत्रकारों से बात करते हुए इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि यह फैसला सत्तारूढ़ दल द्वारा वर्षों की उपेक्षा के लिए बडगाम के लोगों की सीधी प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि बडगाम में पीडीपी की जीत मौजूदा मुख्यमंत्री के खिलाफ लोगों की भावना है। 2024 के चुनावों के बाद

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कभी बडगाम का दौरा नहीं किया और अब पूरी सरकारी मशीनरी यहाँ प्रचार के लिए आ गई है।

इलितिजा ने ज़ोर देकर कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान वरिष्ठ नेशनल कॉन्फ्रेंस नेताओं और प्रशासन की भारी मौजूदगी के बावजूद लोगों ने पीडीपी का साथ दिया। उन्होंने कहा कि यह हमारी जीत है और नेशनल कॉन्फ्रेंस की नाक के नीचे हमने उनका गढ़ छीन लिया। बडगाम की जनता का नेशनल कॉन्फ्रेंस को अहंकार छोड़ने का संदेश है।

पीडीपी नेता ने आगे कहा कि यह नतीजा सिर्फ़ एक सामान्य चुनावी जीत नहीं है बल्कि उन मतदाताओं द्वारा दिया गया एक राजनीतिक बयान है जो पिछले कई दशकों से उपेक्षित और हाशिये पर महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों ने दिखा दिया है कि वे अब सत्ता में बैठे लोगों से अलगाव या उदासीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

इल्तिजा ने आगा सैयद मुंतज़िर को उनकी जीत पर बधाई दी और कहा कि पार्टी जनता की शिकायतों को दूर करने और लोगों व उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भूमि धोखाधड़ी घोटाले में लाखों रुपये की ठगी के आरोपी दो व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर

श्रीनगर, 14 नवंबर। अपराध शाखा कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने भूमि धोखाधड़ी घोटाले में लाखों रुपये की ठगी के आरोपी दो व्यक्तियों के खिलाफ कंगन स्थित प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र दायर किया है। सीबीके प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान के अनुसार कंगन तहसील के अरिगुरीपोरा शादी गुंड निवासी अब्दुल हमीद डार पुत्र अब्दुल अहद डार और कंगन के चक अखल गुरी मोहल्ला निवासी अब्दुल कयूम शेख पुत्र मोहम्मद सुल्तान शेख के खिलाफ एफआईआर संख्या 30/2023 के तहत प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, कंगन की अदालत में आईपीसी की धारा 420 और 120-बी के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है। मामले का विवरण देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला एक लिखित शिकायत से उत्पन्न हुआ है जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपी अब्दुल हमीद डार पुत्र अब्दुल अहद डार निवासी अरिगुरीपोरा शादी गुंड तहसील कंगन और अब्दुल कयूम शेख पुत्र मोहम्मद सुल्तान शेख निवासी चक अखल गुरी मोहल्ला कंगन ने धोखाधड़ी से बाबा नगरी रोड कंगन के पास कचनाम्बल में स्थित 04 कनाल और 16 मरला ज़मीन शिकायतकर्ताओं को 27,00000 रुपये की प्रतिफल राशि पर बेच दी। आरोपियों ने अनापत्ति प्रमाण पत्र एनओसी प्राप्त करने के लिए 96000 रुपये, इंतिखाब रिकॉर्ड का अर्क के लिए 52000 रुपये और कानूनी दस्तावेज तैयार करने के लिए 100000 रुपये की अतिरिक्त राशि भी प्राप्त की।

नेकॉ का खोखला महल ढह रहा है, नगरोटा से बडगाम तक पतन शुरू :सुनील शर्मा

जम्मू, 14 नवंबर। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज ज़ोर देकर कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस एनसी एक स्पष्ट राजनीतिक पतन का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का खोखला महल ढह रहा है क्योंकि जम्मू-कश्मीर भर के लोग इसकी पुरानी राजनीति और खोखले वादों को नकार रहे हैं। शर्मा ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले बडगाम सीट पर एनसी की हार की भविष्यवाणी की थी और अब जनता का मूड उस भावना को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोग दशकों से एनसी द्वारा किए जा रहे खोखले वादों और भावनात्मक शोषण से तंग आ चुके हैं। एनसी का खोखला महल दिन-ब-दिन ढह रहा है। उन्होंने कहा कि

एनसी का पतन शुरू हो चुका है पहले नगरोटा में उसे झटका लगा और अब बडगाम में उसकी हार की बढ़ती निश्चितता। शर्मा ने कहा कि नगरोटा इसका पहला संकेत था। बडगाम इस बात की और पुष्टि करेगा कि लोग एनसी की सुविधा की राजनीति से आगे बढ़ चुके हैं और एक ऐसा नेतृत्व चाहते हैं जो काम करे। विपक्ष के नेता ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा वास्तविक परिवर्तन, विकास और जवाबदेही का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने या उन्हें विकसित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जनता छल-कपट की पुरानी राजनीति को नकारते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति, प्रगति और सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के साथ जुड़ रही है।शर्मा ने नगरोटा के लोगों को विश्वास और भरोसे के साथ भाजपा को चुनने के लिए धन्यवाद दिया और उन्होंने बडगाम के लोगों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस की खोखले वादों और दोहरे मानदंडों वाली राजनीति को निर्णायक रूप से नकार दिया।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है। जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कठुआ में वंदे मातरम अभियान के पहले चरण का हुआ समापन

कठुआ, 14 नवंबर (हि.स.)। बीते 7 से 14 नवंबर 2025 तक आयोजित वंदे मातरम अभियान का पहला चरण शुक्रवार को राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के जीवंत सामूहिक गायन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर डीसी कठुआ ने कार्यक्रम में भाग लिया जिससे सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों में जिले भर की भागीदारी का प्रतीक बना। सभागार में प्रतिभागियों की देशभक्ति की भावना और सामूहिक भावना का प्रदर्शन हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त ने अभियान के तहत जिले भर में आयोजित सप्ताह भर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों, कॉलेजों, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में सामूहिक गायन, एकता पदयात्रा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इस अभियान में छात्रों, युवा समूहों, सामुदायिक संगठनों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिसका उद्देश्य लोगों को राष्ट्रीय गीत के सार और विरासत से फिर से जोड़ना था। तहसीलों और ब्लॉकों सहित जिले की सभी प्रशासनिक इकाइयों में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए जहाँ अधिकारियों ने सामुदायिक स्तर की भागीदारी का समन्वय किया।

एजेबीआरसीईएके प्रतिनिधिमंडल ने नए स्कूल शिक्षा निदेशक से की मुलाकात

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। एजेबीआरसीईएके के अध्यक्ष अनिल राधा के नेतृत्व में संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के नए स्कूल शिक्षा निदेशक नसीर अहमद वानी से औपचारिक भेंट की और उन्हें उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल में दीपक कैथ, वीरेंद्र मोहन, रामपाल, योगेश लखोत्रा और मुकेश शामिल थे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न जिलों में कर्मचारियों से जुड़े प्रमुख मुद्दों को निदेशक के समक्ष रखा। दीपक कैथ ने बांदीपोरा जिले से संबंधित ज्वलंत शिकायतों का उल्लेख करते हुए इनके समयबद्ध समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, योगेश लखोत्रा ने श्रीनगर जिले के कर्मचारियों को प्रभावित करने वाली समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया और सुचारू कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग की। अध्यक्ष अनिल राधा ने निदेशक नसीर अहमद वानी के सकारात्मक और सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में जम्मू के कर्मचारियों से जुड़े सभी लंबित मामलों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई होगी। प्रतिनिधिमंडल ने विभाग के साथ निरंतर सहयोग और कर्मचारियों के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कठुआ के कंडी क्षेत्रों में बंदरों का आतंक, किसानों की परेशानी बढ़ी

कठुआ, 14 नवंबर (हि.स.)। जिला कठुआ के कंडी क्षेत्र बरवाल और उसके आसपास के गांवों में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हजारों की संख्या में बंदरों के झुंड ने फसलों को बर्बाद कर दिया है जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

बरवाल गांव के स्थानीय लोगों ने बताया कि बंदरों के आतंक के कारण वे अपनी जमीन पर फसल नहीं लगा पा रहे हैं। बंदर फसलों को बर्बाद कर देते हैं, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

गौरतलब हो कि वन क्षेत्र में जंगलों की कटाई के कारण बंदर पहाड़ी क्षेत्रों से नीचे आकर आबादी वाले इलाकों में पहुंच गए हैं। इसके कारण बंदरों का आतंक बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय विधायक से मांग की है कि बंदरों के आतंक से उन्हें निजात दिलवाई जाए।

उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो उनकी जमीनें पूरी तरह से बंजर हो जाएंगी। स्थानीय लोगों ने भविष्य की चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर बंदरों के आतंक पर काबू नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में यह समस्या और भी बढ़ जाएगी। बंदर शहर तक पहुंच सकते हैं और उन्हें संभालना मुश्किल हो जाएगा।

15 नवंबर से पुंछ से शुरू होगी श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस यात्रा

जम्मू,, 14 नवंबर (हि.स.)। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दीवस के अवसर पर, श्रीरमानी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (स्लक्क्ष), अमृतसर द्वारा एक भव्य और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा का आयोजन किया गया है।

जम्मू और कश्मीर में इस यात्रा का समग्र पर्यवेक्षण पुंछ के शिरोमणि डेड़ा संतपुरा नंगाली साहिब के महंत मंजीत सिंह जी करेंगे। जिला पुंछ में इस आयोजन का समन्वय श्री गुरु रामदास जी सेवा सोसायटी, गुरुद्वारा बैठक महंत मोहर सिंह जी और गुरुद्वारा संत भाई रोचा सिंह जी द्वारा किया जाएगा।पवित्र यात्रा 15 नवंबर को डेड़ा संतपुरा नंगाली साहिब, पुंछ से शुरू होकर डिगियाना आश्रम, जम्मू पहुंचेगी, जहाँ मट्टन (कश्मीर) से यात्री जत्थे भी शामिल होंगे। 16 नवंबर को यात्रा डिगियाना आश्रम से पथानकोट के गुरुद्वारा बध साहिब में रात्रि विश्राम के साथ जारी रहेगी। 17 नवंबर को श्रद्धालु अमृतसर पहुँचेंगे और 18 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र नगरी का दर्शन करेंगे। यात्रा 19 नवंबर को जम्मू वापसी के साथ समाप्त होगी। श्री गुरु रामदास जी सेवा सोसायटी, पुंछ ने सभी श्रद्धालुओं और सिख संगीतमंडल के सदस्यों से अपील की है कि वे इस पवित्र और आध्यात्मिक यात्रा में भाग लेने के लिए पहले से पंजीकरण कराएँ।

44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 (IITF) का हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली,14 नवंबर (हि.स.)। भारत मंडप, प्रगति मैदान में 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 के अवसर पर माननीय जितिन प्रसाद, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री, द्वारा उत्तर प्रदेश मंडप का भव्य उद्घाटन किया गया

इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत थीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की समृद्ध औद्योगिक विरासत, परंपरागत कौशल, और उद्यमशील भावना को प्रदर्शित किया गया। यह मंडप राज्य के 140 से अधिक प्रदर्शकों को मंच प्रदान करता है, जिनमें पारंपरिक कारीगर, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम , स्टार्टअप, और महिला उद्यमी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के इस प्रदर्शन में एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत हस्तशिल्प, वस्त्र, चमड़ा उत्पाद, कृषि-आधारित पदार्थ, और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। ये उत्पाद भारत की स्थानीय से वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्रतिबिंबित करते हैं।

IITF 2025, जो 14 से 27 नवंबर तक आयोजित है, एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंच है जो व्यापार नेटवर्किंग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, निवेश अवसर, और पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देता है। उत्तर प्रदेश, एक साथी राज्य के रूप में, इस मंच का लाभ उठाकर राज्य के निर्यात, निवेश, और वैश्विक व्यापार संबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार, अपनी मजबूत नीतियों और योजनाओं के माध्यम से MSME क्षेत्र का विकास करने और राज्य की आर्थिक वृद्धि को त्वरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर श्री के. विजयेन्द्र पांडियन, आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, उत्तर प्रदेश एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत तिब्बत सहयोग मंच ने संकल्प दिवस पर चीन से कब्जाई जमीन वापस लेने की मांग दोहराई

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। भारत तिब्बत सहयोग मंच (बीटीएसएम) ने संकल्प दिवस के अवसर पर जम्मू में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 14 नवंबर 1962 को भारतीय संसद द्वारा पारित उस ऐतिहासिक प्रस्ताव को याद किया गया, जिसमें चीन द्वारा कब्जाई गई हर इंच भूमि को वापस लेने के भारत के संकल्प की घोषणा की गई थी।

यह प्रस्ताव भारत-चीन युद्ध के तुरंत बाद सर्वसम्मति से पारित हुआ था। कार्यक्रम के दौरान बीटीएसएम कार्यकर्ताओं ने अक्साई चिन सहित चीन के कब्जे वाले सभी क्षेत्रों की वापसी की पुरजोर मांग की।

वक्ताओं ने याद दिलाया कि 1962 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के दौरान संसद ने स्पष्ट शब्दों में संकल्प लिया था कि भारत अपने भूभाग के एक-एक इंच को पुनः प्राप्त करेगा। प्रस्ताव में कहा गया था कि भारत की पवित्र भूमि को मुक्त कराना राष्ट्रीय कर्तव्य है और चीन की आक्रामकता का सख्ती से मुकाबला किया जाएगा।

19 साल से वांछित भगोड़ा घरोटा से गिरफ्तार

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एक भगोड़े को गिरफ्तार किया है जो पिछले 19 सालों से गिरफ्तारी से बच रहा था। विशेष सूचना के आधार पर घरोटा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने एक भगोड़े को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान अब्दुल रशीद पुत्र गुलाम कादिर निवासी ज़ेबान मटीपोरा, जिला कुलगाम के रूप में हुई। वह घरोटा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 172/1994, धारा 353/336/337/147/148/120-बी, 307/324/511/332 के तहत दर्ज एक मामले में वांछित था। आरोपी लगभग दो दशकों से फरार था। प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने उसे इलाके से खोजकर गिरफ्तार कर लिया।

छात्राओं से विकसित हो रही मीडिया तकनीकों से अपडेट रहने का आग्रह किया

कठुआ, 14 नवंबर (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ ने महाविद्यालय की प्राचार्या की देखरेख में मीडिया में अवसर विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

संसाधन व्यक्ति संदीप सिंह और मनुज केसर ने छात्राओं को उभरते मीडिया रुझानों और करियर की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। प्राचार्या डॉ. सावी बहल ने इस पहल की सराहना करते हुए मीडिया को अवसरों से भरा एक गतिशील क्षेत्र बताया। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. इंद्रजीत कौर ने मीडिया साक्षरता की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. रचना ने अपने संबोधन में कहा कि मीडिया जागरूकता आधुनिक शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गई है और उन्होंने छात्राओं से विकसित हो रही मीडिया तकनीकों से अपडेट रहने का आग्रह किया। जबकि डॉ. मुकेश कुमारी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया में हिंदी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. अमिता दुआ, डॉ. रेणु, डॉ. कामिनी, डॉ. गोपाल शर्मा, प्रो. राम मूर्ति, प्रो. विभा और डॉ. ज्योति ने भाग लिया। सत्र का समापन छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी वाली एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ।

टाइनी स्कॉलर स्कूल में बाल दिवस पर ओपन टैलेंट शो आयोजित

कठुआ, 14 नवंबर (हि.स.)। टाइनी स्कॉलर स्कूल कठुआ ने बाल दिवस पर साथ एक शानदार ओपन टैलेंट शो का आयोजन किया जिसमें छात्रों की अद्भुत रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत शुभ मुहूर्त में हुई जब प्रबंध निदेशक मनीषा गुप्ता प्रधानाचार्या रीना खजूरिया, स्कूल समन्वयक और शिक्षकों ने ज्ञान सकारात्मकता और नई संभावनाओं के प्रतीक के रूप में दीप प्रज्वलित किया। छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी अनूठी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दर्शकों को मधुर गायन, ऊर्जावान नृत्य और भावपूर्ण गजलों का आनंद मिला। इसके साथ ही कई छात्रों ने कविता पाठ, रूबिक्स क्यूब हल करने और नाटकों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया जिससे यह कार्यक्रम एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। निदेशक मनीषा गुप्ता ने बताया कि ओपन टैलेंट शो 2025 एक अद्भुत उत्सव साबित हुआ है जिसने समग्र विकास को पोषित करने और युवा प्रतिभाओं को सपने देखने, प्रदर्शन करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

ग़ालिब की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज पलौडा, मिश्रीवाला के उर्दू विभाग द्वारा वर्तमान युग में ग़ालिब की प्रासंगिकता विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उर्दू साहित्य के महान शायर ग़ालिब को श्रद्धांजलि देकर हुई। उद्घाटन भाषण में उर्दू विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. अब्दुल हक नईमी ने उर्दू भाषा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उर्दू जानने वाला कोई भी व्यक्ति ग़ालिब के नाम से अनजान नहीं हो सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगोष्ठी के माध्यम से ग़ालिब की समझ और उनकी परंपरा को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य वक्ता के रूप में जम्मू विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद रियाज अहमद ने ग़ालिब की काव्य-गद्य प्रतिभा पर विस्तृत चर्चा की और प्रतिभागियों को उनकी रचनाएँ विषय की परवाह किए बिना पढ़ने की सलाह दी। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. मुश्ताक आलम कादरी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि 'ग़ालिब' उपनाम स्वयं उनकी विशाल साहित्यिक विरासत का प्रतीक है और उनके शब्द सदियों तक लेखकों और पाठकों को प्रेरित करते रहेंगे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं.: – **56-2025-26-MCTM-DRM-JAT** दिनांक: **13.11.2025**

Sr.DEN-I/JAT भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए नीचे दी गई निविदाओं के लिए खुली निविदाएं (ई-निविदाएं) आमंत्रित करते हैं और समापन तिथि के साथ **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं 04.12.2025 तक 15:00 घंटे, बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां अंतिम तिथि एवं समय तक ही जमा कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेज़ की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध भुगतान मोड के माध्यम से करने की अनुमति है। नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि जैसे पोर्टल, डिमांड ड्राफ्ट बैंकर चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युअल भुगतान की अनुमति नहीं है। अधिक जानकारी के लिए लॉगऑन करें **www.ireps.gov.in**

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	निविदा प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	निविदा प्रारंभ होने की तिथि	निविदा बंद करने की तारीख/समय
12.11.2025	20.11.2025	04.12.2025

क्र.सं.	टेंडर नं.	निविदा का विवरण
1	56-2025-26-MCTM-DRM-JAT	ADEN/MCTM के अंतर्गत JAT-SVDK के सेक्शन में सुरंगों में ट्रैक रखरखाव के लिए विविध पी. वे जोन कार्य।

विज्ञापन मूल्य (रु.)	बयाना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
9499755.73	190000.00	60 दिन	12 महीने

कार्य की समान प्रकृतिः- "CTR/ TRR/TFR/TTR जिसमें ट्रैक को ऊपर उठाना, स्क्रीनिंग, ट्रैक को डिस्ट्रेस करना, ट्रैक रखरखाव मशीन जैसे टैम्पिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टीटीआर के लिए पूर्व और बाद के कार्य शामिल हैं, टी-28 द्वारा."

नोट 1. बोली लगाने से पहले, बोली लगाने वालों को जाँच करनी होगी निविदा के विरुद्ध जारी किसी भी शुद्धिपत्र के लिए।
नोट 2. यदि हिंदी और अंग्रेजी संस्करण के बीच अर्थ में कोई विसंगति है, तो अंग्रेजी संस्करण को सही और अंतिम माना जाएगा ।

3542/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर में निःशुल्क मेगा ऑर्थोपेडिक एवं फिजियोथेरेपी शिविर आयोजित

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। रामकृष्ण मिशन मेडिकल सेंटर, उधेवाला, जम्मू द्वारा शुक्रवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क मेगा ऑर्थोपेडिक और फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल सेंटर परिसर में आयोजित इस शिविर में ऑर्थोपेडिक, मांसपेशियों और गतिशीलता संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। शिविर में हड्डियों, जोड़ों, रीढ़, मांसपेशियों और सामान्य गतिशीलता की कठिनाइयों से पीड़ित मरीजों को व्यापक निदान, परामर्श और फिजियोथेरेपी प्रदर्शन प्रदान किए गए। पुराना पीठ दर्द, गठिया, जोड़ों में अकड़न, फ्रैक्चर तथा जोड़ प्रत्यारोपण के बाद की देखभाल जैसी स्थितियों के लिए विशेष मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। प्रतिभागियों को पूरी तरह निःशुल्क थेरेपी उपकरण जैसे पूर्ण शरीर मालिश कुर्सी, पैर मालिशक और लेज़र थेरेपी उपकरण, का अनुभव भी करवाया गया, जिससे कई मरीजों को तत्काल राहत महसूस हुई।

इस पहल का नेतृत्व विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने किया, जिनमें डॉ. आर. सी. शर्मा (एमएस ऑर्थोपेडिक्स), डॉ. अनीता गुप्ता (बीपीटी) और डॉ. मल्लिका भारती (बीपीटी) शामिल थीं। उनकी विशेषज्ञता से मरीजों को सटीक निदान और दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए उपयोगी सलाह मिली। ऑर्थोपेडिक और फिजियोथेरेपी सेवाओं के अतिरिक्त, मेडिकल सेंटर ने सामान्य चिकित्सा, त्वचा रोग, दंत शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग, नेत्र देखभाल और अन्य विभागों में भी निःशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया। उपवास पूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य जांच के तहत सीबीसी, लिपिड प्रोफाइल, टीएफटी, एलएफटी, केएफटी, मूत्र परीक्षण तथा विटामिन-डी स्तर की जांच जैसे महत्वपूर्ण परीक्षण किए गए।

RE-TENDERING NOTICE

Invitation for Expression of Interest (EOI) for supply of Books to College Library of GDC,Marheen (Kathua)

Subject: GDC,Marheen ,Kathua invites sealed Expression of Interest(EOI) from reputed vendor(s)/Supplier(S)/distributors for supply of books to the college Library of GDC,Marheen for the financial year 2025-26.
Application accompanied with CDR of Rs 5000/- (Five thousand only) pledged in favour of Principal, Govt. Degree College Marheen should reach in the office of the Principal within ten days from the date of publication of EOI in the news-paper. Eligibility Criteria, Terms & Conditions and Application form shall be obtained from College website (www.gdcmarheen.edu.in). In case there is hol-iday on tenth day, the next working day shall be considered for the submission of tender documents.

DIP/J-7926/25
Dtd: 14-11-2025

Sd/-
Principal
Govt. Degree College
Marheen

सीमावर्ती क्षेत्रों में खेल अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए एनडीए प्रतिनिधिमंडल की खेल परिषद से मुलाकात

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्र विकास संघ (एनडीए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की मुख्य खेल अधिकारी अनीसा नबी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में खेल अवसंरचना को मजबूत करने और युवाओं के लिए बेहतर खेल अवसर उपलब्ध कराने के एनडीए के दीर्घकालिक एजेंडे को आगे बढ़ाना था। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनडीए के मुख्य पदाधिकारी सुशील सिंह चाढ़क ने किया। बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने बिश्नाह, रामगढ़, अरनिया, आरएस पुरा और सुचेतगढ़ जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में उन्नत खेल सुविधाओं, नियमित खेल गतिविधियों और युवाओं को प्रेरित करने वाली पहलों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि बेहतर खेल अवसर युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सकारात्मक विकास को बढ़ावा देते हुए सामुदायिक कल्याण को भी सुदृढ़ कर सकते हैं। सीमा क्षेत्र के प्रतिनिधियों, रिंकू चौधरी (अध्यक्ष सीमा) और आशु कुमार ने सुचेतगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में युवा खिलाड़ियों के सामने आ रही चुनौतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने उपयुक्त प्रशिक्षण अवसंरचना, सुलभ खेल मैदानों और निरंतर आउटरीच कार्यक्रमों की जरूरत पर विशेष बल दिया। सुशील सिंह चाढ़क ने कहा कि एनडीए संरचित कार्यक्रमों और सरकारी संस्थानों के सहयोग से सीमावर्ती युवाओं की खेल भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। अनीसा नबी ने प्रतिनिधिमंडल को सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि परिषद सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर खेल पहलों के विस्तार के लिए एनडीए के साथ मिलकर आगे बढ़ने को तैयार है। बैठक का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि संयुक्त प्रयासों के माध्यम से सीमावर्ती समुदायों के लिए एक मजबूत, समावेशी और सुदृढ़ खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जाएगा।

कांग्रेस-मुक्त भारत, मोदी-युक्त भारत- एनडीए के प्रचंड जनादेश पर गौरव मोदी लहर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की गति को गति दी : गौरव

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता गौरव गुप्ता ने कहा कि बिहार और नगरोटा में मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वसनीयता और जनता से जुड़ाव से प्रेरित कांग्रेस-मुक्त भारत की ओर राष्ट्रव्यापी प्रगति को दर्शाती है। यह चुनाव साबित करता है कि भारत मोदी की ईमानदारी में विश्वास करता है और कांग्रेस के पाखंड को नकारता है।

भारत मोदी के नेतृत्व, दूरदर्शिता और ईमानदारी पर भरोसा करता है। हम कांग्रेस-मुक्त भारत और मोदी-युक्त भारत की ओर बढ़ रहे हैं। गौरव गुप्ता ने कहा ।गुप्ता ने कहा कि दोनों राज्यों में मिला जनादेश केवल चुनावी अंकगणित नहीं बल्कि एक ऐतिहासिक राजनीतिक संदेश है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मतदाताओं ने कांग्रेस के मनगढ़ंत आरोपों नकारात्मकता और विश्वसनीयता के संकट को नकार दिया है और इसके बजाय मोदी के नेतृत्व में अपने विश्वास की पुष्टि की है। गौरव ने कहा, बिहार में एनडीए को मिले प्रचंड बहुमत और नगरोटा उपचुनाव में भाजपा की निर्णायक जीत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेजोड़ राजनीतिक प्रभुत्व को रेखांकित किया है। गुप्ता ने कहा कि यह जनादेश कांग्रेस पार्टी के मनगढ़ंत आरोपों और विश्वसनीयता की कमी का सीधा खंडन है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ये नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि मोदी का नेतृत्व राष्ट्रीय राजनीति में सबसे विश्वसनीय ताकत बना हुआ है। गुप्ता ने कहा, जनता ने फिर से ज़ोरदार आवाज़ उठाई है।

बलबीर ने राजौरी के लिए हेलीकॉप्टर सेवा को पहाड़ी इलाकों के लोगों के लिए बड़ी राहत बताया

जम्मू, 14 नवंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता और जम्मू-कश्मीर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष, बलबीर राम रतन ने राजौरी के लिए सब्सिडी वाली हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने का स्वागत करते हुए इसे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए एक बड़ी राहत बताया। उन्होंने कहा कि यह सेवा क्षेत्रीय संपर्क को मज़बूत करने, यात्रा को आसान बनाने और आपात स्थिति में तेज़ी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

बलबीर राम रतन ने कहा कि नई हेलीकॉप्टर सेवा राजौरी और जम्मू के बीच यात्रा के समय को काफ़ी कम कर देगी, जिससे आम नागरिकों, सरकारी अधिकारियों, आपातकालीन सेवा कर्मियों और व्यावसायिक यात्रियों के लिए एक तेज़, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह सेवा दूरी को कम करेगी और राजौरी के लोगों को आवश्यक सेवाएँ समय पर पहुँचाने में सक्षम बनाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह सुविधा न केवल परिवहन के लिए, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी वरदान साबित होगी। बेहतर हवाई संपर्क से पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय निवासियों के लिए रोज़गार और आय के नए अवसर पैदा होंगे। राजौरी और उसके आसपास के इलाकों की प्राकृतिक सुंदरता, पहुँच आसान होने पर, और अधिक पर्यटकों और निवेशकों को आकर्षित करेगी।

बलबीर राम रतन ने यह भी कहा कि यह सुविधा चिकित्सा आपात स्थितियों के दौरान विशेष रूप से उपयोगी होगी, जिससे मरीजों को जम्मू के प्रमुख अस्पतालों में शीघ्रता से पहुँचाया जा सकेगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह हेलीकॉप्टर सेवा केवल परिवहन का एक साधन नहीं है, बल्कि विकास का एक ऐसा माध्यम है जो दूरस्थ और भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में मदद करेगा।

बलबीर राम रतन ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में, ऐसी सेवाओं का और अधिक क्षेत्रों में विस्तार किया जाएगा, जिससे पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधाएँ प्रदान की जा सकेंगी और जम्मू-कश्मीर में समग्र विकास की प्रक्रिया में तेज़ी आएगी।

संपादकीय

युवाओं को कट्टरपंथी प्रभाव से बचाना

देश में व्याप्त गंभीर स्थिति को देखते हुए, खासकर कश्मीर में, जहाँ उच्च शिक्षित व्यक्ति भी इस हद तक कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे सही और गलत में अंतर नहीं कर पा रहे हैं, बुजुर्गों—खासकर माता-पिता—के लिए यह ज़रूरी हो गया है कि वे अपने बच्चों को उन गलत धारणाओं और विचारधाराओं से दूर रखने की ज़िम्मेदारी उठाएँ जो हिंसा और राष्ट्र-विरोधी कृत्यों की ओर ले जाती हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि युवा पीढ़ी हिंसा या अंधकारमय और अनिश्चित भविष्य की ओर न बढ़े।

यह गंभीर चिंता का विषय है कि हरियाणा के फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश व कश्मीर सहित अन्य स्थानों पर भारी मात्रा में विस्फोटकों और हथियारों की बरामदगी, साथ ही लाल किला कार विस्फोट से संबंधित अब तक की जाँच के नतीजों ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि योग्य डॉक्टरों सहित उच्च शिक्षित पेशेवरों को इस तरह की खतरनाक आतंकी साजिशों और षड्यंत्रों को अंजाम देने के लिए कट्टरपंथी बनाया गया है। इन व्यक्तियों के पास डिग्रियाँ तो हो सकती हैं, लेकिन सच्ची शिक्षा नहीं, क्योंकि एक सच्चा शिक्षित व्यक्ति कभी भी ऐसा रास्ता नहीं चुनेगा जिसमें निर्दोष लोगों की हत्या शामिल हो।

साथ ही, शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक नेताओं और नागरिक समाज समूहों के लिए युवाओं में दृढ़ संकल्पित मानसिकता के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना अनिवार्य है। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को मूल्य-आधारित शिक्षा को मज़बूत करना चाहिए, आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना चाहिए और खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए जो चरमपंथी आख्यानों को जड़ जमाने से पहले ही उजागर और खंडित कर दें। समुदाय के बुजुर्गों, धार्मिक विद्वानों और स्थानीय प्रभावशाली लोगों को भी युवाओं को रचनात्मक मार्ग पर ले जाने के लिए आगे आना चाहिए, उन्हें वास्तविक शिकायतों और भ्रामक प्रचार के बीच अंतर करने में मदद करनी चाहिए। केवल एक सामूहिक, समाज-व्यापी प्रयास ही एक ऐसा वातावरण बना सकता है जहाँ कट्टरपंथी विचारधाराओं को उपजाऊ ज़मीन न मिले, और यह सुनिश्चित हो कि युवा शांति, विकास और राष्ट्रीय प्रगति के साथ जुड़े रहें।

चूँकि इस बड़ी आतंकी साजिश का संबंध कश्मीर से है, इसलिए जम्मू-कश्मीर सरकार और प्रभावशाली व्यक्तियों के लिए युवाओं के कट्टरपंथ की खतरनाक प्रवृत्ति को रोकने के लिए ठोस कदम उठाना ज़रूरी हो जाता है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का यह बयान कि सभी कश्मीरी आतंकवादी नहीं हैं, सच है, लेकिन समय की माँग है कि युवा पीढ़ी को कट्टरपंथी बनने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएँ। अन्यथा, वह समय दूर नहीं जब ऐसे दावे अपनी प्रासंगिकता खो देंगे, क्योंकि राष्ट्र के विरोधी लोगों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति से दूर करने के लिए झूठे आख्यान फैलाने पर तुले हुए हैं।

ऐसे बयान देने के बजाय जिनका कोई महत्व नहीं है—क्योंकि कोई भी सभी कश्मीरियों को आतंकवादी नहीं कह रहा है—मुख्यमंत्री को कश्मीर में महत्वपूर्ण लोगों, खासकर माता-पिता, को विश्वास में लेना चाहिए और उनसे अपने बच्चों पर कड़ी नज़र रखने और अगली पीढ़ी को शांति-विरोधी ताकतों से बचाने का आग्रह करना चाहिए। विभिन्न तरीकों से कट्टरपंथ के कारखाने चलाने वाले स्रोतों और नेटवर्क को नष्ट करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह कदम देश के उन दुश्मनों के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण है जो शांति और भाईचारे को बाधित करना चाहते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव नतीजे के मायने

सियाराम पांडेय शांत

जदयू को वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में 15.39 फीसदी वोट मिले थे, इस बार इसमें भारी इजाफा हुआ है। समझा जा रहा है कि महिलाओं ने चुनाव में पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की विकास नीति पर जमकर भरोसा जताया है। बालिकाओं को साइकिल देने, उन्हें स्कूल भेजने, एक करोड़ चालीस लाख महिलाओं के खाते में सीधे 10 हजार रुपये भेजने तक की योजनाओं का नीतीश को खासा फायदा हुआ है। मतदान के दोनों ही चरणों में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले बढ़-चढ़कर वोट डाला। पुरुषों की तुलना में पहले चरण में 7.48 फीसदी और दूसरे चरण में 10.15 फीसदी अधिक महिलाओं ने वोट किया।

बिहार के लोग बेहद लोकतांत्रिक हैं। उनकी सोच-समझ को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह बौद्धिकों का प्रदेश है।

उधार किसी का भी नहीं रखता, सूद समेत वापस करता है। बिहार का व्यक्ति अकारण कोई निर्णय नहीं लेता। बिहारी जन मानस विकास को सर्वोपरि मानता है और राय के हित में बड़े से बड़ा निर्णय लेने में हिचकता नहीं है। महात्मा गांधी ने भी अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का बिगुल यहीं की धरती चंपारण से शुरू किया था। यह मंडन मिश्र, विद्यापति, रामधारी सिंह दिनकर, फणीश्वरनाथ रेणु और हजारी प्रसाद द्विवेदी की धरती है। बिहार आंदोलन और प्रतिकार की भूमि है।

इसे लोकलुभावन वादों से बहलाया नहीं जा सकता और कट्टे की नोक पर तो बिल्कुल भी डराया नहीं जा सकता। लोकतंत्र में जब कभी भटकाव और विभ्रम के हालात बने हैं, बिहार ने अग्रिम पंक्ति पर खड़े होकर मोर्चा संभाला है। बिहार ने हमेशा देश को दिशा देने का काम किया है। मौजूदा चुनाव नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं। यह नतीजे यह बताने और जताने के लिए काफी है कि युवा सिर्फ युवा नेताओं को ही तरजीह नहीं देते, बल्कि अपने बुजुर्गों का भी सम्मान करना जानते हैं। नीतीश कुमार ने बतौर मुख्यमंत्री बिहार में सुशासन लाने का काम किया, उसे विकास से जोड़ने की जो कोशिश की, उसे नजरन्दाज करना तो उनके लिए एक तरह से कृतघ्नता का प्रदर्शन ही होता।

राजद नेता तेजस्वी तो पूरे चुनाव में अपने माता-पिता को ही सम्मान देना भूल गए। अपनी चुनावी रैलियों में एक तरह से उन्होंने माता-पिता की छवि से ही किनारा कर लिया। यह बात लालू यादव को समर्थकों को रास नहीं आई। इसका बिहार की जनता में भी प्रतिकूल संदेश गया कि जो नेता अपने माता-पिता को सम्मान नहीं दे सकता, वह बिहार की जनता का, लालू-राबड़ी समर्थकों का क्या सम्मान करेगा? तेजस्वी यादव ने जिस तरह अपने चुनावी पोस्टर में लालू प्रसाद यादव की तस्वीर छोटी रखी और एक तरह से बिहार की 'नई पीढ़ी' का संदेश देने की कोशिश की, वे अपने बल पर इस चुनाव में विजय ध्वज लहरा सकते हैं। शायद यह बात बिहार की जनता को पसंद नहीं आई। एनडीए ने तो तेजस्वी यादव की इन कोशिशों को 'जंगलराज के पाप छिपाने' की कोशिश करार दिया।

बीस साल बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार को अगर जनता ने फिर सत्ताधीश बनाने के लिहाज से मतदान किया तो इसके भी अपने मायने हैं। मौजूदा चुनाव नतीजे इस बात की तरफ इंगित करते हैं कि एनडीए के प्रचार पर बड़ी तादाद में मतदाताओं ने अपनी सहमति की मुहर लगा दी है। यह कहने में शायद ही किसी कोई गुरेज होगा कि नीतीश ने एक बार फिर जनता का विश्वास जीत लिया है।

बिहार का चुनाव इसलिए भी खास रहा कि यहां लंबे समय से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। विपक्ष को लगता था कि सत्ता विरोधी लहर पर सवार होकर वे बिहार की चुनावी वैतरणी पार कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने भारी भरकम वादे भी किए लेकिन जनता सब समझती है। वह तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के झांसे में नहीं आई। तेजस्वी के प्रण में प्राण भरने की बजाय उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकास अवधारणा को महत्व दिया। सबका साथ, सबका विकास की नीति पर अपनी सहमति की मुहर लगाकर बिहार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसके लिए जाति-धर्म से यादा महत्वपूर्ण सुशासन और विकास है। जो काम करेगा, सम्मान का अधिकारी वही होगा।

वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कहने पर ही नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया था। बाद के वर्षों में उन्होंने गठबंधन बदले लेकिन सत्ता हमेशा अपने पास रखी। वे नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। अब 10वीं बार बतौर मुख्यमंत्री उनकी ताजपोशी होनी है।

इस बार ऐसा लग रहा था कि नीतीश कुमार सत्ता विरोधी लहर का सामना शायद न कर पाएं लेकिन चुनाव नतीजों ने यह साबित किया कि उनके खिलाफ राय में कोई लहर थी ही नहीं। जनता दल-यूनाइटेड और भाजपा ने इस बार 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। विपक्षी गठबंधन ने बिहार को यह संदेश देने की कोशिश की कि नीतीश कुमार को कदाचित इस बार मुख्यमंत्री न बनाया जाए लेकिन भाजपा और जदयू ने जिस संयम के साथ चुनाव प्रचार किया, उससे जनता को रंचमात्र का भी संदेह नहीं हुआ कि दोनों दलों के बीच महत्वाकांक्षा की कोई जंग है भी। बिहार में पहले और दूसरे चरण में चरण में क्रमशः 65.08 और 69.20 फीसदी वोट पड़े थे। जिस तरह महिलाओं ने बड़ी तादाद में मतदान किया, उसी से लगने लगा था कि इस बार नतीजे चौंकाने वाले आ सकते हैं। बिहार के अब तक के चुनावी इतिहास में यह पहला मौका था जब इतना बंपर मतदान हुआ।

जदयू को वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में 15.39 फीसदी वोट मिले थे, इस बार इसमें भारी इजाफा हुआ है। समझा जा रहा है कि महिलाओं ने चुनाव में पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की विकास नीति पर जमकर भरोसा जताया है। बालिकाओं को साइकिल देने, उन्हें स्कूल भेजने, एक करोड़ चालीस लाख महिलाओं के खाते में सीधे 10 हजार रुपये भेजने तक की योजनाओं का नीतीश को खासा फायदा हुआ है। मतदान के दोनों ही चरणों में महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले बढ़-चढ़कर वोट डाला। पुरुषों की तुलना में पहले चरण में 7.48 फीसदी और दूसरे चरण में 10.15 फीसदी अधिक महिलाओं ने वोट किया।

तेजस्वी की अगुवाई वाला विपक्षी महागठबंधन तो लंबे समय तक खींचतान का शिकार रहा। सीटों के बंटवारे को लेकर उनमें सहमति बनते-बनते बहुत देर हो चुकी थी। कई सीटों पर गठबंधन में शामिल कांग्रेस और राजद के उम्मीदवार आमने-सामने आ गए थे। इस विलंब से एनडीए को लाभ की फसल काटने में मदद मिली। मतलब महागठबंधन तो अपनी लड़ाई प्रारंभिक मोर्चे पर ही हार गया था। इसके बाद भी अपनी हार का ठीकरा वह चुनाव आयोग पर फोड़ता है तो यह उसकी मर्जी है। वैसे भी अपने कार्यकर्ताओं को उन्हें कुछ बड़ा कारण तो बताना ही है।

दूसरी ओर राजग जनता को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा कि डबल इंजन की सरकार ही बिहार को जंगलराज से बचा सकती है। वही विकास की गाड़ी को आगे बढ़ा सकती है। सरपट दौड़ा सकती है। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने भी इस चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है। यही नहीं, जीतनराम मांझी की पार्टी हम भी कुछ अछा कर पाने में सफल रही है। तेजस्वी ने भरसक कोशिश की कि वह लालू-राबड़ी की सरकार के कार्यकाल से जंगलराज के असर से पार्टी की रक्षा कर सकें लेकिन उनकी कोशिशों ने उनका फायदा कम, नुकसान यादा कर दिया। तेजस्वी यादव के उपमुख्यमंत्रित्व काल में हुई नियुक्तियों में भ्रष्टाचार का मुद्दा उछाल कर राजग ने उनके अतीत को मतदाताओं के समक्ष खड़ा कर दिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तो वोट चोरी का हाइड्रोजन बम भी फोड़ा लेकिन वह भी बुरी तरह फुस्स साबित हुआ। राहुल फैक्टर से विपक्ष को जो थोड़ी-बहुत उम्मीदें थी, उनका भी जनाजा निकल गया। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर कांग्रेस का पराभव पार्टी के लिए चिंताजनक नहीं तो और क्या है।

अपने को किंग मेकर समझने वाले प्रशांत किशोर और उनकी जनसुराज पार्टी ने भी बिहार में राजद और कांग्रेस का बेड़ा गर्क करने में बड़ी भूमिका निभाई। तीन प्रतिशत से कुछ अधिक वोट पाकर यह पार्टी खुद तो कुछ खास नहीं कर सकी लेकिन खेलब न खेलय देब, खेलवय बिगारब वाली कहावत को उसने चरितार्थ जरूर किया। वैसे, प्रशांत किशोर ने पहले ही सुस्पष्ट कर दिया था कि वे इस चुनाव में या तो अर्श पर रहेंगे या फिर फर्श पर रहेंगे। कोई भी सुलझा व्यक्ति कुछ ऐसी ही लोकतांत्रिक टिप्पणी कर सकता है।

यूं तो तेजस्वी यादव ने हर घर सरकारी नौकरी, पेंशन, महिला सशक्तिकरण जैसे कई बड़े वादे किए, लेकिन फंडिंग और टाइमलाइन का ठोस प्लान वे बिहार के आम जनमानस को समझा नहीं सके। दावे जब हकीकत कम और फसाने यादा लगने लगे तो इस तरह के नतीजों का आना स्वाभाविक है। राजद, कांग्रेस और वाम दलों के बीच भरोसे की कमी का असर होना ही था। घोषणापत्र का नाम जब राजद की ओर 'तेजस्वी प्रण' रखा गया तभी उनके सहयोगी दलों को यह बात समझ में आ गई होगी कि तेजस्वी यादव की महत्वाकांक्षा के केंद्र में वे कहीं नहीं हैं।

विपक्षी महागठबंधन को मुस्लिम बहुल सीटों पर तो मजबूती मिली लेकिन महागठबंधन को इससे उतना ही नुकसान भी हुआ। यादव वोट भी कई जगहों पर अगर राजद से विमुख हुए तो इसकी वजह अपने हिंदुत्ववादी, विकासवादी और राष्ट्रवादी एजेंडे को प्रमुखता से आगे बढ़ाना ही रहा। वक्फ बिल पर तेजस्वी के विवादित बयान, राहुल गांधी द्वारा छठ माता के प्रति अनर्गल टिप्पणी का भी इस चुनाव में असर देखा गया। राजद ने भले 144 सीटों में से 52 यादव प्रत्याशी उतारे हों लेकिन उसके जितने प्रत्याशियों की जीत हुई है, उससे इतना साफ हो गया है कि महागठबंधन का एमवाई यानी मुस्लिम यादव समीकरण फेल हो गया है। जबकि भाजपा का एमवाई महिला-युवा समीकरण बखूबी कामयाब रहा। तेजस्वी अगर अकेले दम पर चुनाव लड़ते तो शायद नतीजे इससे कहीं अधिक बेहतर होते लेकिन राहुल गांधी के साथ संपर्क की वजह से वे राजनीति के लगभग निचले पायदान पर पहुंच गए। तेजस्वी की 'यादव एकीकरण' रणनीति से उनकी जातिवादी छवि तो मजबूत हुई लेकिन गैर-यादव वोट बैंक, सवर्ण और अति पिछड़े मतदाताओं का विपक्षी महागठबंधन से मोहभंग हुआ, इस सच को नकारा नहीं जा सकता। अछा होता कि विपक्षी दल इस चुनाव नतीजे पर वाकई ठोस मंथन कर पाते, अपनी कमियों को सुधार पाते और विकास की राजनीति के महत्व को समझ पाते।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

बचपन और भारत का भविष्य

गिरीश्वर मिश्र

भारतीय समाज में प्राचीन काल से बच्चों की निराली छवि संजोई जाती रही है। बाल गोपाल की नटखट लीलाओं का आकर्षण अब भी है। कई घरों में लड्डू गोपाल की पूजा भी होती है। वैसे भी बच्चों की उपस्थिति, उनके हाव-भाव, किलकारी, खेल-कूद में भावनाओं की जिस ऊष्मा से भर देने वाले होते हैं वह अलौकिक यानी ईश्वरीय ही होती है। निश्छल, स्वाभाविक और सहज बच्चे मन के सच्चे होते हैं। पर आम जन जो संतान की चाहत रखते हैं वे समझदार हो गए हैं और परिवार का आकार सीमित रखने की कोशिश करते हैं। शिक्षित प्रौढ़ अधिक सचेत हैं और वे सीमित परिवार की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इस बदलाव का प्रमुख कारण संयुक्त परिवारों का टूटना, अपने मूल स्थान से विस्थापन और तेजी से बढ़ती मँहगाई का अनिवार्य दबाव है। साथ ही वैश्वीकरण के दौर में आकांक्षाओं को भी पर लग गया है और नई-नई संभावनाओं के द्वार खुलते जा रहे हैं जो जीवन की वरीयताओं को उलट-पलट रहे हैं। परिवार ही सबसे पहले उनकी भेंट चढ़ रहा है। कई अत्याधुनिक लोग परिवार को वैकल्पिक मानने लगे हैं । कुल मिला कर आज के कठिन समय में मध्य और उच्च मध्य वर्ग के परिवारों में विशेष रूप से बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा को अच्छी तरह से अंजाम देना चुनौती भरा होता जा रहा है।

देश के स्तर पर समस्याएं विराट हैं। आज विश्व की कुल जनसंख्या का छठाँ भाग भारत में रहता है। इसमें बच्चे अर्थात् 18 साल तक की आयु वाले लगभग 39 प्रतिशत हैं। एक अनुमान के हिसाब से भारत में 253 मिलियन किशोर हैं। देश में निःसंदेह आर्थिक प्रगति दर्ज हुई है पर उसके अनुपात में जीवन की गुणवत्ता सबके लिए ख़ास तौर पर बच्चों और स्त्रियों के लिए उतनी नहीं बढ़ी है जितनी अपेक्षित है । वस्तुतः भारत वर्ष में बच्चों की स्थिति गंभीर विचार का विषय हो कर भी प्रायः हाशिये पर ही रहती रही है हालांकि कुछ मामलों में प्रगति दर्ज हुई है। उदाहरण के लिए शिशु मृत्यु दर और स्कूल छोड़ने की दर घटी है। परंतु बाल विवाह, कुपोषण और गरीबी से अभी भी छुटकारा नहीं मिल सका है। गौर तलब है कि आज भी हज़ार बच्चों में 95 बच्चे अपना पाँचवाँ जन्म दिवस मनाने के पहले ही काल कवलित हो जाते हैं। आज भी 4 वर्ष से 14 वर्ष की आयु वर्ग के स्कूल जाने वाले बच्चों का एक बड़ा हिस्सा, आधे से कुछ कम, प्राइमरी शिक्षा पूरी नहीं कर पाता । भारत के आधे बच्चे आज भी कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। एक अध्ययन के हिसाब से हर दो लड़कियों में एक कुपोषित मिलती है। तीन महीने तक की आयु के बच्चों में 74 प्रतिशत न्यून या अल्प पोषण पाते हैं। शहरी इलाकों में, खास तौर पर अनौपचारिक हलकों, में ग़रीबी निश्चित रूप से बाल-विकास के मार्ग में बहुत बड़ी बाधा है। आज भी श्वास रोग और डायरिया (उल्टी दस्त) शिशु मृत्यु का एक बड़ा कारण बना हुआ है। अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में बाल-विवाह यानी 18 वर्ष की उम्र के पहले विवाह की दर आज भी भारत में सबसे ज़्यादा है। इसी तरह देश के कुछ भागों में अभी भी पुत्र की पसंद पुत्रियों की अपेक्षा ज़्यादा है जिससे जेंडर से जुड़े भेद-भाव की गुंजाइश बढ़ती है । सशक्तीकरण के मार्ग में ये बड़ी बाधाएँ बनी हुई हैं। युवा वर्ग को प्रोत्साहित और विकास के मार्ग पर अग्रसर कराते हुए ही विकसित भारत-2047 की परिकल्पना साकार हो सकेगी। देश में अनुसूचित जाति तथा जनजातियों की स्थिति चिंतनीय बनी हुई है ।विशेष रूप से वंचित समुदाय अनेक प्रकार के अभावों से ग्रस्त हैं। अच्छी स्वास्थ्य सुविधा की बड़ी कमी है। सभी क्षेत्रों में स्वच्छता और शुद्ध पेय जल की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना अभी भी एक चुनौती है। ऊपर से सूखा, बाढ़, भूकंप, भूस्खलन, जलवायु-परिवर्तन और शरणार्थी समुदायों का आना-जाना ऐसी आकस्मिक परिस्थितियाँ हैं जो विकास की गति को अचानक थाम लेती हैं।

अब वैश्विक स्तर पर इस बात पर अधिकांश देशों में सहमति बन गई है कि बच्चों के अधिकारों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। बाल श्रम और उनके साथ होने वाले अत्याचार बंद होने चाहिए। परंपरागत रूप से बच्चों की देख-रेख और सुरक्षा परिवार और समुदाय की जिम्मेदारी रही है। पितृसत्तात्मक परिवेश में अक्सर यह भुला दिया जाता है कि बच्चे भी 'व्यक्ति' हैं और उनके भी अधिकार हैं।अब स्पष्ट रूप से बच्चों के अधिकारों में जीवन का अधिकार, शिक्षा, सुरक्षा, भागीदारी, विकास, स्वास्थ्य, कल्याण, पहचान, अभिव्यक्ति, भेदभाव से मुक्ति और सुरक्षित वातावरण के अधिकार शामिल किए गए हैं । परंतु गरीबी, भूख, पेय जल की उपलब्धता, रोग, शिक्षा की कमी, बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, बच्चों से श्रम कराना, बच्चों के प्रति हिंसा और शोषण, तथा बाल-विवाह आदि ऐसे विकट संकट हैं जो बच्चों के जीवन, सुरक्षा और विकास में भागीदारी को नकारात्मक रूप से प्रभावित कराते हैं। कानून बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, उनका शोषण और भेदभाव करने के विरुद्ध संरक्षण देता है और उसके उल्लंघन के लिए दंड का भी प्रविधान करता है। फिर भी देश में वंचित वर्ग के बच्चे बड़ी संख्या में कुपोषण के शिकार हैं। उनके आहार में कार्बोहाइड्रेट की अधिकता और प्रोटीन की कमी भी एक बड़ा कारण है । इस का परिणाम होता है अवरुद्ध विकास। एक अनुमान के अनुसार 6.1 करोड़ बच्चे भूख और ख़राब स्वास्थ्य से पीड़ित हैं। स्वच्छता और संतुलित आहार के लिए क़ानून, जागरण और सामाजिक सुधार सबकी जरूरत है। कानूनों के बावजूद आज भी बाल-श्रम जारी है। मासूम बच्चे कई शिफ्ट में काम करते हैं और उनको आराम नहीं दिया जाता । उल्टे उन्हें मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना मिलती है। पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी विकास की प्राथमिक आवश्यकता होती है।

संविधान के 86 वें संशोधन में 6 से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया गया है। बच्चों को जरूरत को ध्यान में रख कर नई शिक्षा नीति-2020 में भी कई प्राविधान किए गए हैं जो बच्चों की रुचि, प्रतिभा, मातृ भाषा और संस्कृति के आलोक में उनके समग्र विकास का लक्ष्य पाने के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं। बच्चों के विकास के लिए कई ग़ैर सरकारी प्रयास, भी शुरू हुए हैं जो बच्चों के लिए प्राविधान, उनकी सुरक्षा और प्रतिभागिता सुनिश्चित करने की दृष्टि से काम कर रहे हैं। आम तौर पर भारतीय समाज में बच्चों के प्रति प्रेम के भाव प्रबल होते हैं। बच्चों से मिलना, उनसे बात करना और उनका कोमल स्पर्श प्रीतिकर होता है पर बदलती परिस्थितियों के दबाव के बीच बच्चों पर सकारात्मक रूप से ध्यान देना और उनकी अवस्था के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना परिवार, समुदाय और स्कूल जैसी संस्थाओं को पुनर्विचार के लिए आमंत्रित करता है। मीडिया की सकारात्मक भूमिका कैसे सुनिश्चित हो

भारत की जनसंख्या का यह एक सुखद पहलू यह है कि उसमें युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व अधिक है। भारत अब विश्व में एक युवा-प्रधान देश हो गया है। देश में किशोरों की संख्या पूरे विश्व में सर्वाधिक है। उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल-संवर्धन की ख़ास जरूरत है। ये सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक सभी दृष्टियों से भारत के विकास के लिए निश्चित रूप से लाभकारी सिद्ध होने वाले हैं बशर्ते वे सुरक्षित रहें, उनका स्वास्थ्य ठीक रहे, तथा वे सुशिक्षित और कौशल युक्त बन सकें । किशोरियों पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है जिनके लिए कुपोषण और बाल-विवाह बड़ी मुसीबत है और उनको ज़्यादा प्रभावित होने की संभावना रहती है

इस पर गंभीर विचार कर कदम उठाने की आवश्यकता है। बच्चे समाज के भविष्य को अनिवार्य रूप से गढ़ते हैं इसलिए उन पर ध्यान देना समाज के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। बच्चों का पालन-पोषण दायित्व भी है और निर्माण का भी अवसर है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

वर्ल्ड कप स्टार दीप्ति शर्मा लखनऊ पहुंचीं, भारतीय क्रिकेट की चैंपियन बेटीने की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

एजेंसी

लखनऊ। महिला क्रिकेट विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियों में रही टीम इंडिया की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शुक्रवार को अपने गृह जनपद लखनऊ पहुंचीं। शहर आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने दीप्ति के खेल कौशल, अनुशासन और हालिया विश्वकप में टीम की सफलता में उनकी निर्णायक भूमिका की सराहना की। मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में दीप्ति शर्मा ने कहा कि विश्वकप के दौरान मिली चुनौतियों ने खिलाड़ियों को और मजबूत बनाया। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही, लेकिन टीम ने एकजुट होकर वापसी की और देश के लिए ट्रॉफी जीतना सबसे बड़ा गर्व का क्षण रहा। दीप्ति ने कहा कि भारतीय दर्शकों के समर्थन और टीम के आत्मविश्वास ने हमें मुश्किल परिस्थितियों से उबरने में अहम भूमिका निभाई। हर खिलाड़ी ने अपना सौ प्रतिशत दिया और यही हमारी जीत का आधार बना। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ दिए गए प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि निर्णायक मैचों में धैर्य और रणनीति ने टीम का मनोबल बढ़ाया। लखनऊ पहुंचने पर उन्होंने प्रदेश की युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों के लिए लगातार मेहनत करने का संदेश भी दिया।

एशियन आर्चरी चैंपियनशिपः भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने कोरिया को हराकर जीता गोल्ड

ढाका। भारत की पुरुष रिकर्व तिकड़ी ने एशियन आर्चरी चैंपियनशिप में शुक्रवार को कोरिया को रोमांचक फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की भारतीय टीम ने कोरिया के सियो मिंगी, किम येचान और जांग जीहो को शूट-ऑफ में मात देते हुए 5-4 से जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत बेहद कड़ी रही। पहले दो सेट 56-56 की बराबरी पर खत्म हुए। तीसरे सेट में भारत की चार 8, एक 9 और एक 10 की शूटिंग से कोरिया ने 57-51 से बढ़त लेते हुए स्कोर 4-2 कर लिया। चौथा सेट बराबरी पर रहने से भी कोरिया लगातार सातवीं बार गोल्ड जीत सकता था, लेकिन दो खराब तीर—एक 7 और एक 8 ने मैच का रुख बदल दिया। कोरिया 53 का स्कोर ही बना सका, जबकि भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 57 अंक जुटाए और मुकाबला शूट-ऑफ तक पहुंचाया। शूट-ऑफ में दोनों टीमों ने दो 10 और एक 9 के साथ 29-29 का स्कोर बनाया, लेकिन भारत को जीत मिली क्योंकि उसका तीर केंद्र के सबसे करीब लगा था। मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को कोरिया के जांग मिनही और सियो मिंगी के हाथों ब्रॉन्ज मैच में 0-3 की हार झेलनी पड़ी। कोरियाई जोड़ी ने पहला सेट 38-35 से जीता, दूसरा 38-37 से बचाया और तीसरे में 39-34 से दबदबा दिखाया।

केकेआर ने टिम साउदी को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के लिए नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीज़न के लिए अपना नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। टिम साउदी आधुनिक दौर के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में शुमार हैं। 15 से अधिक वर्षों तक न्यूज़ीलैंड क्रिकेट की रीढ़ रहे साउदी ने 100+ टेस्ट, 150 से ज्यादा वनडे और 120+ टी20 इंटरनेशनल में अपना दमखम दिखाया है। तीनों प्रारूपों में मिलाकर उनके नाम 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। स्विंग, लाइन-लेंथ और नेतृत्व क्षमता के लिए मशहूर साउदी ने न्यूज़ीलैंड की कप्तानी भी की और 2019 विश्व कप तथा 2021 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीत में अहम भूमिका निभाई। केकेआर के लिए साउदी कोई नया नाम नहीं हैं। वे 2021, 2022 और 2023 में बतौर खिलाड़ी केकेआर टीम का हिस्सा रह चुके हैं। अपनी पेशेवर दृष्टिकोण और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की क्षमता के कारण वे मैदान और ड्रेसिंग रूम—दोनों जगह प्रभाव छोड़ चुके हैं। उन्होंने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने उनकी नियुक्ति पर कहा, 'हम टिम साउदी का एक बार फिर केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं, इस बार कोच के रूप में। उनका अनुभव और तकनीकी ज्ञान हमारी बॉलिंग यूनिट को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके नेतृत्व गुण और शांत स्वभाव हमारे युवा गेंदबाजों के लिए बेहद फायदेमंद रहेंगे।

एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को बहुप्रतीक्षित एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तमिलनाडु 2025 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा कर दी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। भारतीय टीम के कोच पूर्व भारतीय गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश कोच हैं। पूल बी में शामिल भारतीय टीम का मुकाबला चिली, स्विट्ज़रलैंड और ओमान से होगा।

ओमान की टीम पाकिस्तान की जगह शामिल हुई है। टीम की कमान डिफेंडर और ड्रैगफ्लिकर रोहित को सौंपी गई है, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में खेले गए सुल्तान ऑफ जोहोर कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जहां भारत ने रजत पदक जीता था। गोलकीपर के रूप में बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह को टीम में जगह मिली है।

जसप्रीत बुमराह के 5 विकेट, दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 159 रन पर ढेर

एजेंसी

कोलकाता : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जा रहा है। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है जो उलटा पड़ गया। भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए जसप्रीत बुमराह के 5 विकेट की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 159 रन पर ढेर कर दिया है। अपने पहले छह ओवरों में 34 रन लुटाने वाले सिराज ने अथक परिश्रम किया और आखिरकार अपने 10वें ओवर में शानदार दोहरी सफलता के साथ दक्षिण अफ्रीका के निचले मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार गेंदों के अंतराल में काइल वेरेने और मार्को यानसन को आउट किया। वेरेने (16) को 34वें ओवर में दो बार जीवनदान मिला लेकिन सिराज की गेंद पर मिड-ऑफ की ओर रक्षात्मक शॉट खेलने की कोशिश में गेंद उनके पैड और फिर बल्ले से टकराकर गिर गई। दक्षिण अफ्रीका ने पारी में तीसरी बार रिव्यू लिया और अपना आखिरी रेफरल गंवा दिया। यानसन (शून्य) का स्वागत सिराज ने शॉट गेंद से किया और फिर शानदार लेंथ के साथ गेंद फेंकी जो थोड़ी रिवर्स स्विंग होकर ऑफ स्टंप के पास से टकरा गई। चाय के विश्राम से एक गेंद पहले अक्षर पटेल ने कॉर्बिन बॉश (तीन) को पगबाधा कर मैच पर भारत का दबदबा मजबूत कर दिया। दिन के दूसरे सत्र का आगाज कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने वहीं से किया जहां उन्होंने पहले सत्र को खत्म किया था। बायें हाथ के इस कलाई के स्पिनर ने अपनी फिरकी से दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को अपनी फिरकी से परेशान करना जारी रखा। सलामी बल्लेबाजों और कप्तान तेम्बा बावुमा के पवेलियन लौटने के बाद वियान मुल्डर और टोनी डि जार्जी ने संभल कर बल्लेबाजी की। मुल्डर ने 50 से ज्यादा गेंदों तक खुद को झोंका और भारत के चौतरफा स्पिन आक्रमण के सामने सहज दिखे, लेकिन दूसरे सत्र के 15 मिनट बाद ही ध्यान भटक गया। कुलदीप के खिलाफ रिवर्स स्वीप की कोशिश में वह पूरी तरह से चूक कर पगबाधा हो गये। लंच के बाद तीसरे ओवर में बुमराह ने फॉर्म में चल रहे डि जोर्जी (24) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका दिया। कप्तान शुभमन गिल के एक बार फिर से टॉस गंवाने के बाद दिन की शुरुआती सत्र में बुमराह ने दो शानदार गेंदों पर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके अपनी महारत का परिचय दिया जबकि कुलदीप यादव ने कप्तान तेम्बा बावुमा का अहम विकेट चटकाया। दक्षिण अफ्रीका ने पहले 50 मिनट में दबदबा बनाए रखा और 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 57 रन बना लिए। इसके बाद बुमराह (सात ओवर में नौ रन देकर दो विकेट) ने लगातार दो ओवरों में पांच गेंदों पर दो विकेट लेकर सत्र का रुख पलट दिया। सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम को खाता खोलने में 23 गेंद लग गए।

अर्जुन पुरस्कार विजेता पहलवान पूजा ढांडा विवाह के बंधन में बंधी

एजेंसी

हिसार : अर्जुन पुरस्कार विजेता पहलवान पूजा ढांडा ने यहां एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में विवाह बंधन में बंध गईं। हिसार के सुंदर नगर की रहने वाली पूजा ने गुरुवार को जिले के घिराय गांव के व्यवसायी अभिषेक बूरा से विवाह किया। बुडापेस्ट में 2018 विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक विजेता पूजा ने 2010 ग्रीष्मकालीन युवा ओलंपिक और 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक के अलावा 2014 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। पूजा वर्तमान में हिसार के महावीर स्टेडियम में हरियाणा खेल विभाग में वरिष्ठ कुश्ती कोच के रूप में कार्यरत हैं। उनके पिता अजमेर ढांडा हिसार में

हरियाणा पशुपालन केंद्र से सेवानिवृत्त हुए थे। पूजा ने कहा कि वह शादी के बाद भी कुश्ती में सक्रिय रूप से शामिल रहेंगी और युवा एथलीटों को भविष्य के ओलंपिक में पदक जीतने में मदद करने के उद्देश्य से उन्हें प्रशिक्षित करने और उनका पोषण करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। समारोह में कई खिलाड़ी, राजनेता और अधिकारी शामिल हुए। हिसार जिले के बुडाना गांव में जन्मी पूजा ने महावीर स्टेडियम में जूडो से अपनी खेल यात्रा शुरू की और 2009 में कुश्ती में कदम रखा। जूडो में कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने के बावजूद पूर्व भारतीय पहलवान और कोच कृपाशंकर बिश्नोई ने उन्हें कुश्ती को अपना करियर बनाने की सलाह दी।

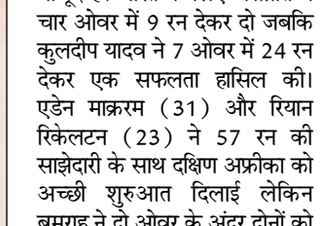

न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर केकेआर के गेंदबाजी कोच बने

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के आगामी सत्र के लिए न्यूजीलैंड के दिग्गज क्रिकेटर टिम साउथी को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की। साउथी ने 107 टेस्ट मैचों, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और 776 विकेट लिए हैं। साउथी अपने खेल करियर के दौरान IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (2021, 2022, 2023) का हिस्सा रहे हैं।

न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने कहा, 'KKR मुझे हमेशा घर जैसा लगा है और इस नयी भूमिका में वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति अद्भुत है, प्रशंसक जुनूनी हैं और खिलाड़ियों का एक बेहतरीन समूह है। मैं गेंदबाजों के साथ मिलकर काम करने और IPL 2026 में टीम को सफलता दिलाने में मदद करने के लिए

उत्सुक हूं।' कोलकाता नाइट राइडर्स के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हमें कोच के तौर पर टिम साउथी का केकेआर परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। टिम का अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता हमारी गेंदबाजी इकाई को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनके नेतृत्व कौशल और शांतचित्त रवैया उन्हें हमारे युवा गेंदबाजों के लिए एक आदर्श मार्गदर्शक बनाते हैं।'

कुलदीप यादव के भारत में 150 अंतर्राष्ट्रीय विकेट्स पूरे

एजेंसी

नई दिल्ली।

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन भारत में 150 विकेट पूरे कर लिए हैं। कुलदीप ने अपनी फिरकी से कप्तान तेम्बा बावुमा (3) को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करावाकर ये रिकार्ड अपने नाम किया। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने 87 इनिंग्स ली। भारत के कुलदीप ने ,श्व में सबसे ज्यादा विकेट्स झटके हैं।

कुलदीप यादव द्वारा प्रत्येक देश में अंतर्राष्ट्रीय विकेट्स की लिस्ट

भारत में 150* (87 पारियां)
यूएई में 34 (18 पारियां)
वेस्टइंडीज में 33 (17 पारियां)
श्रीलंका में 27 (16 पारियां)
दक्षिण अफ्रीका में 24 (10 पारियां)
इंग्लैंड में 20 (13 पारियां)
ऑस्ट्रेलिया में 15 (9 पारियां)
न्यूजीलैंड में 12 (6 पारियां)

बांग्लादेश में 9 (3 पारियां)
आयरलैंड में 7 (2 पारियां)
अमेरिका में 5 (3 पारियां)
जिम्बाब्वे में 3 (3 पारियां)

मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन लंच के लिए खेल रोके जाने तक 3 विकेट पर 105 रन बना लिए। इस समय वियान मुल्डर 22 और टोनी डि जोर्जी 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत के लिए जसप्रीत ने चार ओवर में 9 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव ने 7 ओवर में 24 रन देकर एक सफलता हासिल की। एडेन माक्ररम (31) और रियान रिकेलटन (23) ने 57 रन की साझेदारी के साथ दक्षिण अफ्रीका को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन बुमराह ने दो ओवर के अंदर दोनों को चलता कर मैच में भारत की वापसी करा दी। कुलदीप ने इसके बाद अपनी फिरकी पर कप्तान तेम्बा बावुमा (तीन) को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया।

मोहम्मद शमी टेस्ट टीम से बाहर, पुजारा बोले- बीसीसीआई को स्पष्ट संदेश देना चाहिए

एजेंसी

गोवा। भारतीय टेस्ट टीम से लगातार बाहर चल रहे अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को लेकर अब दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने बीसीसीआई और चयन समिति से स्पष्टता की मांग की है। पुजारा का मानना है कि शमी जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी के साथ चयन प्रक्रिया और भविष्य की योजनाओं को लेकर पारदर्शी चर्चा होनी चाहिए। लंबे समय से टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं होने के बावजूद शमी घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, फिर भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनका नाम नहीं आया। ऐसे में पुजारा ने कहा कि चयनकर्ताओं को शमी को स्पष्ट संदेश देना चाहिए ताकि वे अपनी राह तय कर सकें।

शमी की टेस्ट टीम से गैरमौजूदगी पर उठा सवाल

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आखिरी बार जून 2023 में ओवल में आयोजित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद वे इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में भी चयनित नहीं हुए। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने हाल ही में कहा था कि शमी की फिटनेस और लगातार मैच खेलने की कमी टीम चयन में बाधा बनी है। हालांकि, शमी मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में 15 विकेट लेकर शानदार फॉर्म में नजर आए हैं, लेकिन उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए भी नहीं चुना गया।

पुजारा की अपील: 'शमी के साथ बातचीत जरूरी '

पहले टेस्ट से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को शमी को भविष्य की योजनाओं के बारे में स्पष्ट संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मोहम्मद शमी जैसे खिलाड़ी के साथ चयनकर्ता और प्रबंधन को साफ-साफ बात करनी चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि आगे की योजना क्या है—क्या वे अभी भी उन्हें टीम में देखते हैं या युवा गेंदबाजों को बढ़ावा देना चाहते हैं।' पुजारा का तर्क है कि इतने अनुभवी खिलाड़ी को अनिश्चितता में रखना सही नहीं है और बीसीसीआई को पारदर्शी संवाद अपनाना चाहिए। पुजारा ने जोर दिया कि शमी को 'बातचीत का हिस्सा' बनाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, अगर बीसीसीआई युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और शमी से आगे बढ़ने का फैसला कर चुकी है, तो यह बात खिलाड़ी तक पहुंचनी चाहिए ताकि वे अपने करियर को लेकर सही निर्णय ले सकें। उन्होंने कहा, 'अगर उन्हें बताया जाता है कि उन पर विचार नहीं किया जा रहा है, तो आगे का फैसला शमी का होगा, वे घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं या सिर्फ ढ्ढक्क पर ध्यान देना चाहते हैं।' पुजारा के अनुसार, इस तरह का संवाद न केवल खिलाड़ी को मानसिक स्पष्टता देता है बल्कि टीम प्रबंधन की पारदर्शिता भी दर्शाता है।

गिल का बयान : 'शमी का स्तर बेहतरीन, लेकिन वर्तमान गेंदबाज भी शानदार'

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मोहम्मद शमी का कौशल और अनुभव किसी से छुपा नहीं है, लेकिन मौजूदा तेज गेंदबाजों जैसे जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप का प्रदर्शन भी बहुत प्रभावशाली रहा है। गिल के अनुसार इंग्लैंड दौरे में युवा गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, और चयन में उनके योगदान को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत, लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

कुमामोतो (जापान) : शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोटो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया। लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सितंबर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी।

पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर ली। सिंगापुर के खिलाड़ी ने अंतर को 17-18 कर दिया लेकिन लक्ष्य ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए गेम के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

श्रीलंकाई टीम की सुरक्षा सेना को सौंपी गई, इस्लामाबाद में सिलसिलेवार बम विस्फोटों के बाद लिया फैसला

एजेंसी

रावलपिंडी : इस्लामाबाद में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के बाद सेना प्रमुख असीम मुनीर के हस्तक्षेप पर श्रीलंकाई टीम के दौरे को जारी रखने पर सहमत होने के बाद सरकार ने दौरे पर आई श्रीलंकाई टीम की सुरक्षा पाकिस्तानी सैन्य बलों को सौंप दी है। PCB अध्यक्ष और संघीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि चूंकि अब मेहमान टीम को राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है, इसलिए अब पुलिस के साथ मिलकर सेना और रेंजर्स उनकी सुरक्षा का ध्यान रख रहे हैं। नकवी ने गुरुवार रात रावलपिंडी में स्टेडियम में पाकिस्तानी और श्रीलंकाई खिलाड़ियों से मुलाकात के दौरान मीडिया को बताया कि श्रीलंकाई सरकार और बोर्ड ने दौरा

जारी रखकर पाकिस्तान क्रिकेट के प्रति गहरा समर्थन दिखाया है। उन्होंने पुष्टि की कि इस्लामाबाद में हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ी स्वदेश लौटना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान और श्रीलंकाई नेतृत्व के बीच निरंतर बातचीत से ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।' उन्होंने यह भी पुष्टि की कि सेना प्रमुख मुनीर ने श्रीलंकाई रक्षा मंत्री प्रमिता बंडारा तेनाकून को टीम की सुरक्षा का आश्वासन दिया था। उन्होंने आगे कहा, 'फील्ड मार्शल ने स्वयं श्रीलंकाई रक्षा मंत्री और सचिव से बात की और मैं खिलाड़ियों के प्रति आभारी हूं कि उन्होंने पाकिस्तान में ही रहने का निर्णय लेकर अदम्य साहस दिखाया।' नकवी ने कहा कि उन्होंने स्वयं श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ एक लंबी बैठक की थी ताकि उन्हें आश्वस्त किया जा सके कि उनकी सुरक्षा और कल्याण पाकिस्तान सरकार की जिम्मेदारी है। नकवी ने कहा, 'उनकी कई चिंताएं थीं, लेकिन हमने उन सभी को दूर करने की कोशिश की।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने देश की टीम से बात करके उन्हें मना लिया था। न्यूजीलैंड की टीम ने रावलपिंडी में सुरक्षा खतरों के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद सितंबर 2021 में पाकिस्तान का अपना सफेद गेंद वाला दौरा रद्द कर दिया था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु टीम का ऐलान, वरुण चक्रवर्ती को कप्तानी, पूरी टीम पर डालें नजर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को इस सत्र की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का कप्तान नियुक्त किया गया। यह टूर्नामेंट 26 नवंबर से पूरे देश में शुरू हो रहा है। चक्रवर्ती ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर भारत की टी20 श्रृंखला में 2-1 से जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन मैच में पांच विकेट लिए थे। भारतीय बल्लेबाज नारायण जगदीशन देश के इस प्रमुख टी20 टूर्नामेंट में तमिलनाडु के उप-कप्तान होंगे। बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर और आंद्रे सिद्धार्थ भी टीम का हिस्सा हैं। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन को भी टीम में शामिल किया गया है।

इस सत्र की रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु

को राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, कर्नाटक, त्रिपुरा, झारखंड और सौराष्ट्र के साथ एलीट ग्रुप डी में रखा गया है। वे अहमदाबाद में राजस्थान के खिलाफ मैच के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

तमिलनाडु टीम :

वरुण चक्रवर्ती (कप्तान), नारायण जगदीशन, तुषार रहेजा, वीपी अमित सात्विक, शाहरुख खान, आंद्रे सिद्धार्थ, प्रदोष रंजन पॉल, शिवम सिंह, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, टी नटराजन, गुरजपनीत सिंह, ए एसाक्कीमुथु, आर सोनू यादव, आर सिलंबरासन और एस ऋतिक ईश्वरन।

अल्कराज ने 2025 का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में किया, एटीपी फाइनल्स में मुस्सेती को हराया

एजेंसी

ट्यूरिन। स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने लोरेन्जो मुस्सेती को 6-4, 6-1 से हराकर एटीपी फाइनल्स में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और इसी के साथ 2025 का विश्व नंबर 1 के रूप में समाप्त करने का गौरव हासिल कर लिया। इस जीत ने उन्हें अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जानिक सिनर से आगे पहुंचा दिया।

इस सीजन दो ग्रैंड स्लैम जीतने वाले 22 वर्षीय अल्कराज सोमवार को जारी होने वाली नई एटीपी रैंकिंग में सिनर से ऊपर रहेंगे। मुस्सेती के खिलाफ जीत ने उन्हें जिमी कॉनर्स ग्रुप में शीर्ष स्थान भी दिला दिया। अल्कराज, जो इस सीजन अब तक 70 मैच जीत चुके हैं, शनिवार को सेमीफाइनल हार भी जाएं तो भी साल का समापन विश्व नंबर 1 के रूप में ही करेंगे। हालांकि अल्कराज पहले खिताब की ओर मजबूती से बढ़ते नजर आ रहे हैं, और संकेत हैं कि एक बार फिर टूर्नामेंट के फाइनल में उनका सामना इटली के सिनर से हो सकता है, जिन्होंने बुधवार को ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अल्कराज ने खुशी जताते हुए कहा, 'मेरे लिए इसका बहुत बड़ा मतलब है। साल का नंबर 1 बनना हमेशा लक्ष्य होता है। साल की शुरुआत में मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं वहां पहुंच पाऊंगा, क्योंकि सिनर लगातार लगभग हर टूर्नामेंट जीत रहे थे।

भारतीय रिकर्व पुरुष टीम ने एशियाई स्वर्ण पदक के 18 साल के इंतजार को किया खत्म

एजेंसी

ढाका। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने हाल के दिनों में अपना सबसे रोमांचक प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को एक बेहद करीबी शूट-ऑफ में हराकर 18 साल में पहली बार एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की तिकड़ी ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो की कोरिया की दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया के दबदबे को खत्म किया। दोनों टीमों ने शूट-ऑफ में 29 अंक बनाए लेकिन दो बार के ओलंपियन दास ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 10 अंक वाला निशाना साधा जो कोरिया के तीरंदाज के निशाने के मुकाबले केंद्र से अधिक करीब था।

व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जल्दी बाहर होने वाले दास के दबाव में शानदार खेले भारत ने 2007 के बाद से एशियाई चैंपियनशिप पुरुष टीम में पहला स्वर्ण पदक जीता। इस परिणाम के साथ चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या चार स्वर्ण और दो रजत हो गई। कंपाउंड टीम ने बृहस्पतिवार को तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत लिए थे। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है जिसमें ज्योति सुरेखा वेन्नम ने टीम और व्यक्तिगत दोनों वर्गों में स्वर्ण

पदक जीतकर यादगार दोहरा प्रदर्शन किया।

यह रिकर्व पुरुष टीम के कोच राहुल बनर्जी के लिए बेहद भावुक क्षण था जो 2007 की चैंपियन टीम के सदस्य थे। तब स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में उनके साथ मंगल सिंह चंपिया और जयंत तालुकदार भी थे। खिलाड़ी के तौर पर चैंपियन बनने के अठारह साल बाद 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने दूसरी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'एक कोच के तौर पर यह वाकई संतोषजनक है क्योंकि हमने कोरिया को हराया। मैं और अतनु कल रात इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि हमने लंबे समय से कोई स्वर्ण पदक नहीं जीता था और आखिरकार यह बात पूरी हो गई। अगला लक्ष्य निश्चित रूप से एशियाई खेल हैं।' कोरिया भले ही अपने दिग्गज ओलंपिक चैंपियन किम वूजिन के बिना आया हो, लेकिन टीम में बेहतरीन प्रतिभाएं मौजूद हैं। सेओ मिंगी राष्ट्रीय ट्रायल में शीर्ष पर रहे, 20 वर्षीय किम येचन चेंगदू विश्वविद्यालय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। इस तिकड़ी में प्रतिभाशाली जंग जिहो भी शामिल है। बनर्जी ने कहा, 'वे उनके शीर्ष तीन तीरंदाज नहीं हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के बाद उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप के लिए ट्रायल लिया और ये चुने गए। जहां तक मेरी जानकारी है वे उनके शीर्ष क्रम में चौथे, पांचवें और छठे नंबर के तीरंदाज हैं।' फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। कोरिया ने पहले सेट में आठ के एक निशाने के बाद 56 अंकों से शुरुआत की और भारत ने उसे माकुल जवाब दिया। भारत दूसरे सेट में एक निशाना सात अंक का लगाने के बावजूद 56 अंक बनाकर फिर से कोरिया की बराबरी करने में सफल रहा। कोरिया ने तीसरे सेट में कोरिया ने 57 अंकों के साथ बढ़त हासिल की लेकिन भारत ने चौथे सेट में लगातार 10 अंकों वाले निशाने से शुरुआत कर दबाव बना लिया। टीम इस सेट को 57-53 से जीतने में सफल रही। स्कोर 4-4 से बराबर होने के बाद मुकाबला शूट ऑफ में गया जहां टीम ने शानदार निशाने के साथ पिछले दो दशक के खिताबी सूखे को खत्म किया।

गुजरात का अदाणी पोर्ट बना टीएनएफडी का सदस्य, प्रकृति आधारित रिपोर्टिंग शुरू करने का लिया संकल्प

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात के कच्छ जिले के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) अब टास्कफोर्स ऑन नेचर-रिलेटेड फाइनेंशियल डिस्क्लोज़र्स (टीएनएफडी) की आधिकारिक सदस्य बन गई है। इस पहल के तहत कंपनी प्राकृतिक संसाधनों पर अपने प्रभाव, जोखिमों और अवसरों की रिपोर्ट टीएनएफडी फ्रेमवर्क के अनुरूप तैयार करेगी। इस प्रकार, एपीएसईज़ेड देश की ऐसी पहली इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी बन गई है, जिसने पर्यावरण हितैषी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए एक नया मानक तय किया है।यह जानकारी एपीएसईज़ेड ने अपनी विज्ञप्ति में दी। इसमें बताया गया कि टीएनएफडी एक वैश्विक और विज्ञान-केंद्रित पहल है, जिसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वित्त पहल (यूएनईपी एफआई), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) और ग्लोबल कैनोपी जैसी संस्थाओं ने साथ मिलकर शुरू किया है। इसका उद्देश्य कंपनियों को यह समझाने में मदद करना है कि वे प्रकृति से जुड़े जोखिमों, प्रभावों और अवसरों की पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन कैसे करें। एपीएसईज़ेड अब उन चुनिंदा वैश्विक पोर्ट ऑपरेटर्स की सूची में शामिल हो गया है, जो जैव विविधता का बढ़ावा देने और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गुजरात के बनासकांठा के अंबाजी मार्बल को मिला जीआई टैग

अंबाजी। गुजरात के बनासकांठा जिले का पवित्र तीर्थधाम और शक्ति पीठ के रूप में प्रसिद्ध अंबाजी अब केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि अपनी धरती से निकलने वाले शुद्ध सफेद मार्बल के कारण भी विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। राज्य सूचना विभाग ने बताया कि अंबाजी क्षेत्र के मार्बल को भारत सरकार द्वारा 'भौगोलिक संकेत' (जीआई टैग) के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। इसके साथ ही अंबाजी मार्बल अब कानूनी रूप से सुरक्षित और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाला उत्पाद बन गया है। इस टैग से अंबाजी मार्बल का मान बढ़ा है और अब यह विश्व के मानचित्र पर गुजरात की नई पहचान के रूप में चमकेगा।अंबाजी मार्बल के लिए यह पंजीकरण अंबाजी मार्बल क्वेरी एंड फैक्टरी असोसिएशन के नाम से किया गया है, जिसमें स्टोन आर्टिसन पार्क ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सप्ती), कमिश्नर ऑफ जियोलॉजी एंड माइनिंग, और कलेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिला कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा कि जिस प्रकार पवित्र तीर्थधाम अंबाजी को शक्ति पीठ के रूप में वैश्विक पहचान प्राप्त है, उसी प्रकार अब अंबाजी मार्बल का नाम भी विश्व में उज्ज्वल रूप से लिखा गया है। अब अंबाजी श्रद्धा के साथ-साथ प्राकृतिक संपदा और औद्योगिक गौरव का प्रतीक बन गया है।

जी. किशन रेड्डी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में खान मंत्रालय के मंडप का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में खान मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी करेंगे। मंत्रालय का पैवेलियन भारत के समृद्ध खनिज संसाधनों, तकनीकी प्रगति और विकसित भारत-एक भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में योगदान को प्रदर्शित करेगा। खान मंत्रालय के मुताबिक 1,500 वर्ग मीटर में फैला ये पैवेलियन आगंतुकों को विषयगत प्रदर्शनों, इंटरैक्टिव गतिविधियों और भारत के खनन तथा खनिज क्षेत्र की उपलब्धियों और विजन को उजागर करने वाले प्रदर्शनों के माध्यम से एक गतिशील और जानकारीपूर्ण अनुभव प्रदान करेगा। इस पैवेलियन में सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) और मंत्रालय के अंतर्गत संबद्ध, अधीनस्थ और स्वायत्त संगठन भाग लेंगे, जिनमें राष्ट्रीय एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल), जवाहरलाल नेहरू एल्युमीनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी) और राष्ट्रीय रॉक मैकेनिक्स संस्थान (एनआईआरएम) शामिल हैं।

डीपीआईआईटी को पीएलआई योजना के तहत 1,914 करोड़ रुपये निवेश के लिए मिले 13 आवेदन

नई दिल्ली। एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट के लिए पीएलआई योजना के तहत 13 कंपनियों ने 1,914 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ आवेदन किए हैं। इन नए आवेदकों में से 50 फीसदी से अधिक एमएसएमई क्षेत्र से हैं। इस दौर के लिए आवेदन 15 सितंबर से 10 नवंबर तक लिए गए। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक 13 आवेदकों में से एक मौजूदा पीएलआई लाभार्थी है, जिसने 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए आवेदन किया है, जबकि नौ आवेदकों ने 1,816 करोड़ रुपये के संचयी निवेश के साथ एयर कंडीशनर घटकों के निर्माण के लिए आवेदन किया है। सफेद वस्तुओं में एसी और एलईडी लाइटें शामिल हैं। ये निवेश तांबे की ट्यूब, एल्युमीनियम स्टॉक, कंप्रेसर, मोटर, हीट एक्सचेंजर, कंट्रोल असेंबली और अन्य उच्च-मूल्य वाले घटकों के उत्पादन पर केंद्रित हैं। डीपीआईआईटी के मुताबिक शेष चार आवेदकों ने एलईडी चिप्स, ड्राइवर और हीट सिंक सहित एलईडी घटकों के निर्माण के लिए 98 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। प्रस्तावित निवेश 6 राज्यों में फैला है, जिसमें 13 जिले और 23 स्थान शामिल हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक अबतक श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना में 80 स्वीकृत लाभार्थियों से 10,335 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है।

भारत और नेपाल ने रेल मार्ग से व्यापार बढ़ाने के लिए समझौता किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और नेपाल ने रेल-आधारित माल ढुलाई को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार में बढ़ोतरी होगी। यह समझौता जोगबनी (भारत) और विराटनगर (नेपाल) के बीच रेलवे माल ढुलाई को सुगम बनाएगा, जिसमें विस्तारित परिभाषा के तहत बल्क कार्गो भी शामिल है। यह उदारीकरण प्रमुख ट्रांजिट कॉरिडोर - कोलकाता-जोगबनी, कोलकाता-नौतनवा (सुनौली) और विशाखापत्तनम-नौतनवा (सुनौली) तक विस्तारित है, जिससे दोनों देशों के बीच मल्टी-मॉडल ट्रेड कनेक्टिविटी और तीसरे देशों के साथ नेपाल के व्यापार को मजबूती मिलेगी। भारत और नेपाल ने ट्रांजिट समझौते के प्रोटोकॉल में संशोधन करते हुए एक विनिमय पत्र का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके नेपाली

समकक्ष अनिल कुमार सिन्हा भी मौजूद थे। यह विनिमय पत्र कंटेनरयुक्त और थोक माल, दोनों के लिए जोगबनी-विराटनगर रेल संपर्क के साथ सीधी रेल कनेक्टिविटी को सक्षम बनाता है, जिससे कोलकाता और विशाखापत्तनम बंदरगाहों से नेपाल के विराटनगर के पास मोरंग जिले में स्थित नेपाल सीमा शुल्क यार्ड कार्गो स्टेशन तक परिवहन सुगम हो जाता है। भारत सरकार की अनुदान सहायता से निर्मित इस रेल संपर्क का उद्घाटन 1 जून 2023 को भारत और नेपाल के प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। बैठक में एकीकृत चेक पोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के विकास सहित सीमा पार संपर्क और व्यापार सुविधा को बढ़ाने के लिए चल रही द्विपक्षीय पहलों का भी स्वागत किया गया। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार और निवेश भागीदार बना हुआ है, जो उसके बाहरी व्यापार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन नए उपायों से दोनों देशों और उसके बाहर आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद है। यह समझौता 29 अक्टूबर को भारत-नेपाल समझौतों पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच उच्च क्षमता वाली क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइनों के विकास के लिए दो ज्वाइंट वेंचर संस्थाएं शुरू करने का फैसला लिया गया है। भारत के सरकारी कंपनी पावरग्रिड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण के बीच संयुक्त उद्यम और शेयरधारकों के समझौतों पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री कुलमन घीसिंग की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों में क्रॉस-बॉर्डर ट्रांसमिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए दो ज्वाइंट वेंचर - एक भारत में और एक नेपाल में - के गठन का प्रावधान है।

भारत-कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा आर्थिक विकास मंत्री मनिंदर सिद्धू ने नई दिल्ली में व्यापार और निवेश पर 7वें भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने के अवसर तलाशने के

लिए सिद्धू भारत में हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि नए रोडमैप 2025 के हिस्से के रूप में व्यापार और निवेश पर 7वीं भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता करना खुशी की बात थी। गोयल ने कहा कि कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने और हमारे देशों के बीच सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

अमेरिकी टैरिफ के बाद भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा : मूडीज

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ लगाए जाने के बावजूद भी भारत 2027 तक 6.5 प्रतिशत की विकास दर के साथ जी20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह जानकारी रेटिंग एजेंसी मूडीज की ओर से दी गई। मूडीज ने अपनी 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक रिपोर्ट 2026-27' में कहा कि भारत की विकास दर मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश, मजबूत घरेलू मांग और निर्यात विविधता से से संचालित हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भारतीय निर्यातक कुछ उत्पादों पर 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहे हैं और अपने निर्यात को दूसरे देशों में रिडायरेक्ट करने में सफल हुए हैं, जिससे सितंबर में देश के कुल निर्यात में 6.75 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, अमेरिका को निर्यात में 11.9 प्रतिशत की गिरावट हुई है।' रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी ने देश को विकास के स्थिर रास्ते पर रखा है। आरबीआई ने अक्टूबर में अपनी रेपो दर को स्थिर रखा, जिससे पता चलता है कि वह मुद्रास्फीति कम होने और विकास मजबूत होने के साथ नीति को लेकर सतर्क है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सकारात्मक निवेशक भावना से प्रेरित मजबूत अंतर्राष्ट्रीय पूंजी प्रवाह ने बाहरी झटकों को कम करने और तरलता बनाए रखने में मदद की है।

हालांकि, घरेलू मांग विकास का प्राथमिक इंजन बनी हुई है, लेकिन निजी क्षेत्र का अभी भी बढ़े पैमाने पर व्यावसायिक निवेश के लिए पूरी तरह से विश्वास हासिल करना बाकी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक विकास स्थिर लेकिन धीमा रहेगा, क्योंकि एडवांस अर्थव्यवस्थाएं मामूली रूप से बढ़ रही हैं और अधिकतर उभरते बाजार मजबूत गति बनाए रखेंगे। रिपोर्ट में 2026 और 2027 में वैश्विक विकास दर लगभग 2.5 से 2.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में स्थिर लेकिन असमान विस्तार को दर्शाता है।

एडवांस अर्थव्यवस्थाओं में लगभग 1.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है, जबकि उभरते बाजारों में 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में धीमी लेकिन स्थिर गति देखी जा रही है, जिसे मामूली उपभोक्ता खर्च और एआई-संबंधित निवेश से समर्थन मिल रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि चीन की विकास दर 2025 में 5 प्रतिशत से घटकर 2027 तक 4.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

महंगाई में कमी के चलते दिसंबर में एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती कर सकता है आरबीआई : अर्थशास्त्री

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अक्टूबर में महंगाई दर में कमी के कारण केंद्रीय बैंक एक बार फिर से दिसंबर की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में रिकॉर्ड 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है, जो कि सितंबर में 1.44 प्रतिशत थी। यह मौजूदा सीपीआई सीरीज में दर्ज की गई अब की सबसे कम महंगाई दर है। समग्र महंगाई में कमी आने की वजह खाद्य महंगाई के साथ-साथ मुख्य महंगाई दर में कमी आना है।

क्रिसिल ने अपने नोट में कहा कि उम्मीद से अधिक खाद्य महंगाई दर में कमी आने, बाकी बचे वर्ष में खाद्य उत्पादों की आपूर्ति मजबूत रहने, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम होने और जीएसटी का फायदा आम लोगों तक पहुंचने के कारण हमारा अनुमान है कि खुदरा महंगाई दर इस वित्त वर्ष में औसत 2.5 प्रतिशत पर रह सकती है, जो कि पिछले वर्ष के आंकड़े 4.6 प्रतिशत से कम है।

नोट में आगे कहा गया कि कई बड़ी कैटेगरी में जीएसटी का प्रभाव अक्टूबर में पूरी तरह से ट्रांसफर नहीं हुआ है, जिसका प्रभाव आने वाले समय में हमें नवंबर में देखने को मिलेगा। खुदरा महंगाई दर नवंबर में वर्तमान में 0.9 प्रतिशत पर है, जिसमें जीएसटी के प्रभाव के कारण और गिरावट आ सकती है। वित्त वर्ष 26 में मुख्य महंगाई दर अब 2 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है, जिसका सीधा अर्थ है कि आरबीआई के 2.6 प्रतिशत के अनुमान में 50 आधार अंकों की और गिरावट आएगी।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी)

वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 प्रतिशत से और कम कर सकती है, जो खाद्य कीमतों में नरम क्रमिक गति के साथ-साथ सीपीआई बास्केट में कई वस्तुओं पर जीएसटी दर युक्तिकरण के प्रभाव को देखते हुए संभव है। उन्होंने आगे कहा कि इससे दिसंबर की मौद्रिक नीति में ब्याज दरों के और कम होने का रास्ता साफ हो गया है।

भारत-स्पेन की 8वीं विदेश कार्यालय परामर्श बैठक संपन्न, व्यापार और पर्यटन पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 8वां भारत-स्पेन विदेश कार्यालय परामर्श आयोजित किया गया। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारत के विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने किया और स्पेनिश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व स्पेन के विदेश और वैश्विक मामलों के राज्य सचिव, डिएगो मार्टिनेज बेलियो (स्पेन के विदेश मंत्री, यूरोपीय संघ और सहयोग) ने किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चर्चा के दौरान दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने राजनीतिक, आर्थिक और वाणिज्यिक, बुनियादी ढांचा, रेलवे, रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक, पर्यटन और लोगों के बीच संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की। दोनों पक्षों ने प्रमुख द्विपक्षीय मेक इन इंडिया सी-295 परियोजना में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान दोनों पक्ष इस

बात पर सहमत हुए कि 2026 में भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ मनाना द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए एक स्वागत योग्य ढांचा प्रदान करेगा। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और लोगों के बीच संबंध लंबे समय से चले आ रहे हैं। यूरोपीय देशों में स्पेन भारतीय पर्यटकों की सबसे अधिक संख्या वाले देशों में से एक है, जहां सालाना लगभग 2,50,000 भारतीय पर्यटक स्पेन आते हैं। भारत आने वाले स्पेनिश पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है, जिनकी संख्या सालाना 80,000 से अधिक है।

दोनों पक्षों ने भारत-यूरोपीय संघ के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर भी प्रसन्नता व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई सहित आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। भारत ने आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की अपनी नीति दोहराई। भारतीय पक्ष ने सहयोगी पर्यवेक्षक के रूप में इबेरो-अमेरिकन सम्मेलन में शामिल होने में हमारी रुचि का समर्थन करने के लिए स्पेन सरकार को धन्यवाद दिया।

विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि अक्टूबर 2024 में राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की ऐतिहासिक भारत यात्रा और जनवरी 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की स्पेन यात्रा के बाद, भारत और स्पेन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में प्रगाढ़ता में तेजी देखी गई है। दोनों पक्ष उच्च स्तरीय बातचीत और आदान-प्रदान जारी रखने के साथ-साथ व्यापार और निवेश, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, दृश्य-श्रव्य सह-निर्माण और सतत शहरी विकास में संस्थागत तंत्रों की नियमित बैठकों की आशा करते हैं। विदेश कार्यालय परामर्श का अगला दौर पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथियों पर स्पेन में आयोजित किया जाएगा।

जितिन प्रसाद करेंगे 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितिन प्रसाद यहां के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले 44वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 'आईआईटीएफ-2025' का उद्घाटन करेंगे। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि इस बार इस व्यापार मेले की थीम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के साथ आयोजित किया गया है, जो देश की एकता और विविधता को दर्शाती है। आईटीपीओ के मुताबिक यह मेला 14 से 27 नवंबर तक चलेगा। मेले का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा किया गया है। इसके आयोजन में इस साल के भागीदार राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार हैं। इस बार झारखंड 'फोकस स्टेट' है। इसके अलावा राज्य दिवस समारोह, सम्मेलन, कार्यशालाएं, सेमिनार और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे। आईटीपीओ के अनुसार भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2025 का स्थल, भारत मंडपम (प्रगति मैदान) का द्वार संख्या 3 और 4 (भैरों रोड) तथा द्वार संख्या 6 और 10 (मथुरा रोड) है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला की तिथि:- 14-27 नवंबर। व्यावसायिक दिनों के लिए आईआईटीएफ-2025 14-18 नवंबर तक है, जबकि सामान्य दिनों के लिए भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 19-27 नवंबर तक चलेगा, जिसका समय: सुबह 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक (आम जनता के लिए) है। आईआईटीएफ-2025 में वयस्कों के लिए 500 रुपया (कार्य दिवस, 14-18 नवंबर), जबकि 80 रुपया (सार्वजनिक कार्यदिवस, 9-27 नवंबर, सप्ताहांत को छोड़कर), 150 रुपया (सार्वजनिक सप्ताहांत/छुट्टियों पर) है। वहीं, बच्चों के लिए 200 रुपया (कार्यदिवस, 14-18 नवंबर), 40 रुपया (सार्वजनिक कार्यदिवस, 19-27 नवंबर, सप्ताहांत को छोड़कर) और 60 रुपये (सार्वजनिक सप्ताहांत/छुट्टियों पर) है।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 12 अंक चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन थम गया। विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोर धारणा का बाजार पर असर पड़ा। शेयर बाजार के दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 12.16 अंक यानी 0.014 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 84,478.67 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 84,919.43 अंक तक चढ़ा, जबकि नीचे में 84,253.05 अंक तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 3.35 अंक यानी 0.013 फीसदी

बढ़कर 25,879.15 के स्तर पर बंद होने में कामयाब रहा। 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में शामिल कंपनियों एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, पावरग्रिड, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और सन फार्मा के शेयरों में बढ़त रही। वहीं, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर दबाव में रहे। इसके अलावा एशियाई बाजारों में शामिल शंघाई, हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजारों में गिरावट रही। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.29 फीसदी घटकर 62.53 डॉलर प्रति बैरल रहा। एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार में तेजी के बाद बीएसई सेंसेक्स 595.19 यानी 0.71 फीसदी की उछाल के साथ 84,466.51 पर बंद हुआ था।एनएसई का निफ्टी 180.85 अंक यानी 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ 25,875.80 स्तर पर बंद हुआ था।

अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत प्रगति पर : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत इस समय अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने से वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी गोयल ने विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) को नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' की तरह एक विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर 'आंध्र मंडपम' विकसित करने के लिए राज्य सरकार के साथ हाथ मिलाकर खुशी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आंध्र मंडपम राज्य के नेतृत्व, दूरदर्शिता और प्रतिभा के अनुरूप एक विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर, आंध्र प्रदेश के बढ़ते कद को प्रतिबिंबित करेगा। पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में वैश्विक सहयोग बढ़ाने के लिए 3 प्रमुख सुझाव दिए, जिसमें-दोतरफा निवेश को सुगम बनाना, प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करना और विश्वास का निर्माण और उसे बनाए रखना शामिल है। गोयल ने भारत की अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताओं पर महत्वपूर्ण अपडेट साझा किए, जिसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, पेरू और चिली जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर चल रही चर्चाओं पर प्रकाश डाला। सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 में गोयल ने कहा कि हम वर्तमान में यूरोपीय संघ, अमेरिका, ओमान, न्यूज़ीलैंड, चिली और पेरू के साथ बातचीत कर रहे हैं, और कई अन्य देश हमारे साथ चर्चा शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और 4 देशों के यूरोपीय समूह, ईएफटीए सहित कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुका है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ये समझौते वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को कम करने और वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के निर्बाध आवागमन को बढ़ावा देने के भारत के व्यापक उद्देश्य का हिस्सा हैं। इसके अलावा गोयल ने भारत में व्यापार को आसान बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि केंद्र ने 42 हजार अनुपालनों को हटा दिया है।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेपी इंफ्राटेक के एमडी मनोज गौड़ को गिरफ्तार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रियल एस्टेट कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) मनोज गौड़ को मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। ये मामला कथित रूप से घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी से जुड़ा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रियल एस्टेट कंपनी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ को घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच में गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि कारोबारी मनोज गौड़ के खिलाफ जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी के मामले से संबंधित है। ईडी ने मई में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड और उनकी संबद्ध संस्थाओं से जुड़े 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी और 1.7 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की थी।

इस छापेमारी के दौरान प्रमोटरों, उनके परिवार के सदस्यों और समूह की कंपनियों के नाम पर संपत्ति के दस्तावेज के साथ-साथ वित्तीय दस्तावेज और डिजिटल डेटा भी जब्त किए गए थे।

'केरला फेस्ट' सांस्कृतिक एकीकरण का जीवंत उदाहरण: राज्यपाल पटेल

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि 'केरला फेस्ट' सांस्कृतिक एकीकरण और भाईचारे की भावना का जीवंत उदाहरण है। मनोरंजन और सांस्कृतिक प्रदर्शन के अवसर के साथ ही केरल और मध्य प्रदेश के बीच समरसता का सशक्त सेतु है, जो मध्य प्रदेश को अपनी कर्म भूमि बनाने वाले मलयाली बहनों-भाइयों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव और हमारे देश की विविधता में एकता की भावना का सुंदर प्रतीक है।राज्यपाल पटेल गुरुवार शाम को भोपाल के दशहरा मैदान में आयोजित केरला फेस्ट सेकण्ड ऐडिशन के शुभारंभ कार्यक्रम में जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मलयाली समुदाय के जड़ों से जुड़ाव अपनी भूमि संस्कृति और निष्ठा का आग्रह सभी के लिए प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। कार्यक्रम में जल संसाधन विकास विभाग के सचिव जॉन किंग्स्ली भी मंचासीन थे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश के विकास में मलयाली समुदाय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण, प्रेरणादायक और सराहनीय रहा है। मलयाली समुदाय ने प्रशासन और सेवा क्षेत्र में भी अपनी कार्यकुशलता और ईमानदारी से प्रदेश में विशिष्ट पहचान कायम की है। प्रदेश में डॉक्टर, नर्स और शिक्षक के रूप में अनुशासन, परिश्रम, शिक्षा और सेवा की उत्कृष्ट भावना के साथ असंख्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। सरकारी सेवाओं, बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों में उनकी सक्रिय भूमिका ने राज्य के प्रशासनिक और आर्थिक विकास को नई दिशा दी है। मलयाली समुदाय ने सामाजिक और मानवता की सेवा में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रदेश के मलयाली समुदाय ने राज्य के विकास में योगदान के साथ ही अपने सांस्कृतिक मूल्यों को सहेज कर राज्य की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया है। राज्यपाल ने समाज के साथ-साथ समग्र मानवता की सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने के लिए युनाईटेड मलयाली एसोसियशन को बधाई दी।विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मलयाली समुदाय कर्तव्यनिष्ठ समाज है इसीलिए, साक्षरता और स्वच्छता में देश में अग्रणी है। समुदाय ने सेवा, समर्पण, रचनात्मक सृजनशीलता, सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्य क्षेत्र में कर्तव्य परायणता से विशिष्ट स्थान बनाया है। उनकी नेक नियति और कार्य संस्कृति ने सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने मध्य प्रदेश कॉडर के पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी के द्वारा भोपाल जहाँ नौकरी के लिए आने वाले लोग बस जाते है वैसे शहर में बसने के बजाए अपने केरल स्थित छोटे से घर में बसने के निर्णय की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि मलयाली समुदाय का अपनी संस्कृति के प्रति समर्पण का ही प्रमाण केरल से इतनी दूर रहकर भी उन्होंने अपने जीवन मूल्यों और परंपराओं को जीवंत बनाए रखा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य महाप्रबंधक प्रबाश कुमार सुबुदि ने कहा कि गोड्स ओन कन्ट्री के कलर्स और फ्लेवर का प्रतीक केरला फेस्ट है। उन्होंने कहा कि मलयाली समुदाय जहाँ भी जाता है अपने सांस्कृतिक जीवन मूल्यों को लेकर जाता है। यह भारत की विविधता में एकता के सच्चे राजदूत हैं। उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया विकास में सहयोग के लिए सामुदायिक प्रगति और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ाने के हर गतिविधि को सदैव प्रोत्साहित करता है। नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक सी. सरस्वती ने कहा कि मलयाली समुदाय सांस्कृतिक चेतना, प्राकृतिक सौंदर्य, कला, परंपरा, अनुशासन और सोहार्द के लिए प्रसिद्ध है। केरल के वस्त्र, व्यंजन, कलाओं ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध किया है। समुदाय अपनी जड़ों को किस प्रकार जीवंत रख सकता है केरला फेस्ट का आयोजन उसका प्रमाण है। उन्होंने बताया कि नाबार्ड ने ग्रामीण कौशल, सृजनशीलता को बढ़ाने और स्व-सहायता समूहों के आत्म विश्वास और स्वावलंबन को मजबूत करने के लिए फेस्ट में 10 स्टॉलों को एस.एच.जी के लिए प्रायोजित किया है।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, राजधानी कीव में 11 इमारतें क्षतिग्रस्त, 12 लोग घायल

एजेंसी

कीव। रूस ने रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। रूस ने इस दौरान राजधानी को लक्ष्य कर सैकड़ों प्रक्षेपास्त्र दागे। स्थानीय समयानुसार रात लगभग 12:45 बजे कीव में कई विस्फोट हुए। रात एक से डेढ़ बजे के बीच दो बार विस्फोट की आवाज सुनाई पड़ी। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने हमलों के बीच चेतावनी भी जारी की। चेतावनी में कहा गया, रूसी आवासीय इमारतों पर हमला कर रहे हैं। कीव के लगभग हर जिले में कई ऊंची इमारतें क्षतिग्रस्ति हुई हैं। द कीव इंडिपेंडेंट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, आज सुबह ड्रोन का मलबा कीव के दिनप्रोव्स्की जिले में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर गिरा। इसके अलावा एक अन्य आवासीय इमारत की 12वीं मंजिल पर आग लगने की भी खबर है। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, पोडिल्स्की जिले में एक आवासीय इमारत की 10वीं मंजिल पर और सोलोमिंस्की जिले में एक पांच मंजिला इमारत की छत पर भी आग लगने की सूचना है। इसके अलावा पोडिल्स्की जिले में एक तीसरी इमारत और एक गैर आवासीय इमारत भी आग की चपेट में आकर जल गई।

सरकारी शटडाउन खत्म होने के बाद ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से फूड स्टैम्प मामला वापस लिया

वॉशिंगटन। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने आज सुप्रीम कोर्ट से अपना आपातकालीन अनुरोध वापस ले लिया, जिसमें उसने फूड स्टैम्प (कार्यक्रम की पूरी फंडिंग पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रशासन का यह कदम सरकारी शटडाउन खत्म होने और कार्यक्रम को दोबारा फंड मिलने के बाद उठाया गया। न्याय विभाग द्वारा अदालत को भेजे गए एक पत्र ने इस बहुचर्चित कानूनी विवाद का औपचारिक अंत कर दिया – यह वही मामला था जो शटडाउन के दौरान सबसे प्रमुख सवाल के रूप में उभरा था, क्या प्रशासन ने 40 मिलियन से अधिक अमेरिकी नागरिकों को मिलने वाले भोजन सहायता कार्यक्रम की पूरी फंडिंग रोककर कानूनी सीमा से आगे बढ़कर कदम उठाया था? पिछले सप्ताह जस्टिस केतान्जी ब्राउन जैक्सन ने अस्थायी रूप से प्रशासन के पक्ष में आदेश जारी करते हुए मामले पर कुछ दिनों की राहत दी थी, ताकि अपील अदालत इसकी समीक्षा कर सके। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को गुरुवार शाम तक बढ़ाया, हालांकि जस्टिस जैक्सन ने इसमें असहमति दर्ज की। लेकिन तब तक सीनेट ने सरकारी शटडाउन समाप्त करने के लिए मतदान कर दिया था, जिससे यह मामला निरर्थक हो गया, क्योंकि SNAP कार्यक्रम की फंडिंग फिर से शुरू कर दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार रात उस खर्च विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

अफ्रीका में 25 वर्षों में सबसे गंभीर कॉलरा प्रकोप, 7,000 से अधिक लोगों की मौत

अदीस अबाबा। अफ्रीका इस समय पिछले 25 वर्षों में सबसे भीषण कॉलरा प्रकोप का सामना कर रहा है। अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (Africa CDC) ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। संस्था ने बताया कि इस तेज़ी से फैलने वाली बीमारी के पीछे कमज़ोर जल आपूर्ति प्रणालियां और संघर्षग्रस्त क्षेत्र मुख्य कारण हैं। अफ्रीका सीडीसी के अनुसार, महाद्वीप में अब तक लगभग 3 लाख संदिग्ध और पुष्टि किए गए कॉलरा मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 7,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 30फीसदी से अधिक वृद्धि दर्शाता है। अंगोला और बुरुंडी में हाल के हफ्तों में मामलों में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन देशों में सुरक्षित पेयजल तक सीमित पहुंच के कारण संक्रमण तेजी से फैल रहा है। कॉलरा एक गंभीर और घातक दस्तजन्य रोग है, जो तब फैलता है जब सीवेज और पीने के पानी का उचित उपचार नहीं किया जाता। हालांकि, कांगो में स्थिति कुछ हद तक नियंत्रण में दिखाई दे रही है, क्योंकि वहां कुल मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। लेकिन संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है वहां भीड़भाड़ वाले शिविरों और खराब स्वच्छता के कारण संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

इंडोनेशिया के सेंट्रल जावा में भूस्खलन की घटना, 2 की मौत और 21 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मध्य जावा में गुरुवार रात को भूस्खलन की घटना सामने आई। भूस्खलन की इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, और तीन अन्य घायल हो गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार 21 लोग लापता हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार सुबह यह जानकारी दी। सिन्हुआ के अनुसार, प्रांतीय डिजास्टर मैनेजमेंट एंड मिटिगेशन एजेंसी की इमरजेंसी यूनिट के प्रमुख मोहम्मद चोमसुल के अनुसार, सिलाकैप रीजेंसी के सिब्यूनयिंग गांव के सिबुयुत और तारुकाहान बस्तियों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। एजेंसी के अधिकारी ने सिन्हुआ से टेलीफोन पर बातचीत की। अधिकारी ने फोन पर बताया, 'भूस्खलन रिहायशी इलाकों में हुआ और हताहत हुए। दो लोगों की मौत हो गई। तीन घायल हो गए और 21 अन्य लापता हो गए। ' चोमसुल ने बताया कि लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान जारी है, जिसमें स्थानीय आपदा एजेंसी, स्थानीय खोज और बचाव कार्यालय, सेना, अन्य सरकारी संस्थानों और स्वयंसेवकों के कर्मचारी शामिल हैं।

चीन में हुआ थाई राजा का भव्य स्वागत

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकॉर्न का यहां भव्य स्वागत किया, जो थाई राजपरिवार का चीन का पहला राजकीय दौरा है। यह यात्रा 1975 में दोनों देशों के बीच स्थापित राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ पर हो रही है।

सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि राजा वजिरालोंगकॉर्न और उनकी पत्नी रानी सुथिदा के बीजिंग पहुंचने पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने उनका स्वागत किया। यह थाई राजा भूमिबोल अदुल्यादेज के बाद थाईलैंड के किसी राजा का चीन का पहला प्रमुख राजकीय दौरा है। इस यात्रा को चीन और थाईलैंड के बीच ऐतिहासिक संबधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच थाईलैंड के राजा के सम्मान में राष्ट्रपति जिनपिंग ने 'पीपुल्स ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल'

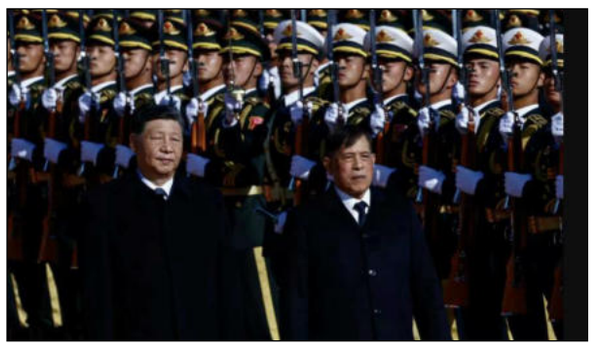

में स्वागत समारोह आयोजित किया जिसमें राजा को गार्ड ऑफ ऑनर और 21 तोपों की सलामी दी गई। इस अवसर पर जिनपिंग ने कहा, 'चीन थाईलैंड का विश्वसनीय साझीदार है। यह यात्रा हमारी मैत्री को नई ऊंचाई देगी।' इस दौरान राजा ने भी जोर देकर कहा कि उनके देश और चीन के बीच 'भाई-बहन' जैसे संबध है। शाम को शी दंपति ने वजिरालोंगकार्न के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया , जहां रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। यात्रा के दौरान राजा जिनपिंग के अलावा प्रधानमंत्री ली चियांग से भी भेंट करेंगे। हालांकि इस दौरान दोनों देशो के बीच कोई बड़ा समझौता होने की कोई उम्मीद नहीं है। दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन की बढ़ती भूमिका के तहत पिछले साल चीन, थाईलैंड का सबसे बड़े व्यापारिक साझीदार (80 अरब डालर का आयात)के साथ ही उसके यहां निवेश में अग्रणी रहा है। इस बीच थाईलैंड के पूर्व राजदूत तेज बुनाग ने कहा, 'हमारा बंधन सदियों पुराना है। चीन परिवार जैसा है।' अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के बीच थाईलैंड की संतुलित नीति को यह यात्रा मजबूत करती है। हाल ही में चीन ने थाईलैंड पर 40 उइगरों के प्रत्यर्पण और साइबर अपराध रोकने का दबाव बनाया।

गौरतलब है कि 17 नवंबर तक चलने वाली इस यात्रा के दौरान थाईलैंड के राजा बीजिंग एयरोस्पेस सिटी और लिंगुआंग बौद्ध मंदिर जैसे स्थलों का दौरा भी करेगें।

श्रीलंका के शिक्षाविद् डॉ. हरिश्चंद्र विजयथुंगा का 94 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के प्रख्यात शिक्षाविद्, कोषकार, अनुवादक, वकील और प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ डॉ. हरिश्चंद्र विजयतुंगा का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 25 अक्टूबर, 1931 को मिनुवांगोडा में जन्मे डॉ. विजयतुंगा ने जीवनपर्यंत में सिंहली भाषा के उत्थान और साहित्य कर्म से जुड़े रहे। उन्होंने प्रैक्टिकल सिंहली डिक्शनरी (1982) और गुनासेना ग्रेट सिंहली डिक्शनरी का संकलन किया। उनकी यह दोनों कृति आज भी सबसे व्यापक सिंहली शब्दकोशों में से एक हैं। डेली न्यूज अखबार की रिपोर्ट में उनके निधन की सूचना दी गई है। उन्होंने सिंहली वर्णमाला के मानकीकरण के लिए वैज्ञानिक विचार प्रस्तुत किए। यह सिंहली भाषा के विकास और संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने श्रीलंका सरकार के विभिन्न संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य किया। विजयतुंगा मदरलैंड पीपुल्स पार्टी से जुड़े रहे। उन्होंने 1994 और 1999 में राष्ट्रपति चुनाव में किस्मत आजमायी। हरिश्चंद्र विजयतुंगा के पिता विजयतुंगा मुदालिगे आयुर्वेदिक चिकित्सक थे।उनकी मां का नाम अमरावती जयसिंघे है। विजयातुंगा आठ भाई-बहनों वाले परिवार में चौथे नंबर पर थे। विजयतुंगा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मिनुवांगोडा के सरकारी द्विभाषी स्कूल से प्राप्त की। आगे की पढ़ाई नालंदा कॉलेज मिनुवांगोडा और कोलंबो से की। नालंदा कॉलेज में विजयतुंगा के कुछ सहपाठियों में करुणारत्ने अबेसेकेरा, डॉ. हडसन सिल्वा,डॉ. धर्मसेना अट्टीगले, रूपा करुणाथिलके, रवींद्र रूपसेना और स्टेनली जयसिंघे शामिल हैं। उन्होंने कुछ समय तक सीलोन विश्वविद्यालय में भी पढ़ाई की।

नेपाल में जेन जी समूह प्रधानमंत्री कार्की को संयुक्त मांगपत्र सौंपेगा

एजेंसी

काठमांडू। हाल ही में हुए प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे जेन जी समूह आज प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को अपना संयुक्त मांगपत्र सौंपने जा रहा है।

जेन जी मूवमेंट ऑफ अलायन्स के प्रमुख सदस्य अमित खनाल के अनुसार यह दस्तावेज़ प्रधानमंत्री को सौंपेगा। खनाल ने बताया कि तीन जेन जी संगठन जेन जी मूवमेंट ऑफ़ अलायन्स, द काउंसिल ऑफ़ जेन जी और जेन जी फ़्रॉन्ट घायल प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों और मारे गए लोगों के परिजनों के साथ मिलकर इस मांगपत्र को अंतिम रूप दे चुके हैं। इस पर पिछले एक सप्ताह से कार्य किया जा रहा था।उन्होंने कहा कि मांगपत्र सौंपने के बाद वे उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री उनकी मांगों को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाएंगी और इस आंदोलन को संस्थागत रूप देंगी। खनाल ने कहा कि हमने काफी समय लगाकर यह मांगपत्र तैयार किया है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत जेन जी की आवाज़ और

सहभागिता झलकती है। उन्होंने बताया कि कुछ सदस्यों को आमंत्रित करने के बावजूद वे शामिल नहीं हो सके। खनाल के अनुसार दस्तावेज को अंतिम रूप देने के लिए कई दौर की चर्चा करनी पड़ीं। उन्होंने पुनः स्पष्ट किया कि जब तक आंदोलन को औपचारिक रूप से संस्थागत नहीं किया जाता, तब तक कोई नई गतिविधि या निर्णय आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

रूस की एफएसबी ने पुतिन के आध्यात्मिक सलाहकार की हत्या की यूक्रेन की साजिश नाकाम की

एजेंसी

मॉस्को। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने घोषणा की है कि उसने यूक्रेनी खुफिया एजेंसी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लंबे समय से आध्यात्मिक सलाहकार रहे मेट्रोपॉलिटन तिखोन (जॉर्जी शेवकुनोव) की हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया है। एफएसबी ने हाल ही में यह जानकारी दी। उसके अनुसार, यह साजिश अमेरिका के साथ जारी शांति वार्ताओं को पटरी से उतारने का प्रयास था, ताकि रूस उनसे पीछे हट जाए। मेट्रोपॉलिटन तिखोन, मॉस्को के स्रेतेंस्की मठ के मठाधीश और रूसी ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख चेहरे हैं। एफएसबी ने दावा किया कि तिखोन के निजी सहायक डेनिस पोपोविच और एक पादरी निकिता इवानकोविच को यूक्रेनी विशेष सेवाओं ने 'भर्ती' किया था। उन्हें मठ के परिसर में एक अत्यधिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) रखने का निर्देश दिया गया था। एफएसबी ने कहा कि 'यूक्रेनी शासन' को उम्मीद थी कि

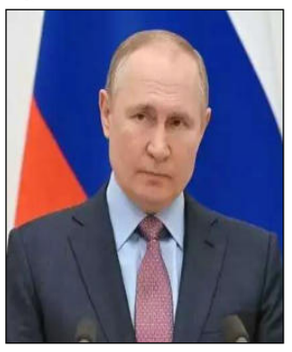

सफल 'हमले' से रूस की तरफ से कड़ी जवाबी प्रतिक्रिया होगी, जिससे उसकी अमेरिका के साथ निकटता की कोशिशें रुक जाएंगी।

एफएसबी ने बताया कि इस बाबत 11 नवंबर को मॉस्को, पस्कोव क्षेत्र और क्रीमिया में छापेमारी की गई। एफएसबी ने कथित संदिग्धों का वीडियो जारी किया है लेकिन यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों से इनके सीधे संबंध साबित करने वाला कोई ठोस सबूत अभी नहीं मिला है। इस बाबत अभी और विवरण नहीं दिया गया है। गौरतलब हे कि चर्च ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को 'पवित्र युद्ध' बताकर क्रेमलिन का समर्थन किया है। इस बीच क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने संवाद एजेंसी 'तास' को बताया कि रूस ने इस साजिश को अमेरिका के साथ नहीं उठाया है।इस सिलसिले में यूक्रेन ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इस साल रूस ने यूक्रेनी साजिशों के 12 से अधिक मामलों को विफल करने का दावा किया है, जबकि यूक्रेन ने कीव में रूस की ऐसी ही कोशिशों को नाकाम करने का दावा किया है।

अमेरिका सेना वेनेजुएला के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में, ट्रंप को रणनीति से अवगत कराया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना वेनेजुएला में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वेनेजुएला में संभावित अभियानों के नए विकल्पों से अवगत कराया है। इनमें जमीन पर हमले भी शामिल हैं। इस संबंध में व्हाइट हाउस में कई उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई बैठकों में युद्ध सचिव पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को इस संबंध में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति को वेनेजुएला में संभावित अभियानों की रूप-रेखा बताई। साथ ही जरूरत पड़ने पर जमीन पर हमले की योजना से परिचित कराया। युद्ध सचिव पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन

केन ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पूरी योजना साझा की। हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। व्हाइट हाउस के प्रवक्ताओं ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। पेंटागन के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। संभावित सैन्य अभियान की योजना अमेरिकी खुफिया अधिकारियों की मदद से तैयार की गई है। विदेश यात्रा पर होने की वजह से राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड व्हाइट हाउस की बैठकों में शामिल नहीं हुईं। विदेशमंत्री मार्को रुबियो विदेश मंत्रियों के जी-7 शिखर सम्मेलन में हिससा लेने के लिए कनाडा में थे। इस सप्ताह की शुरुआत में यूएसएस गेराल्ड फोर्ड वाहक स्ट्राइक समूह ने अमेरिकी दक्षिणी कमान के कार्यक्षेत्र में प्रवेश किया। दक्षिणी कमान कैरिबियन और दक्षिण अमेरिका में अभियानों के लिए प्राथमिक लड़ाकू इकाई है।

फोर्ड इस क्षेत्र में पहले से मौजूद विध्वंसक, युद्धक विमानों और विशेष अभियान उपकरणों के बेड़े में शामिल हो गया है।पिछले दो महीनों में अमेरिकी सेना ने कम से कम 21 जहाजों पर हमले किए हैं। इन पर दक्षिण अमेरिका से अमेरिका में ड्रग्स ले जाने का आरोप है। अक्टूबर के अंत में एक अभियान में दो नावों को निशाना बनाया गया।

ईंधन की कमी के कारण नेपाल एयरलाइन्स की उड़ान दिल्ली की ओर मोड़ी गई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल एयरलाइन्स का एक विमान ईंधन की कमी के कारण त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रीय विमानस्थल पर लैंड नहीं हो सका। इसके बाद उसे दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता रिंजी शेर्पा के अनुसार दुबई से आई उड़ान संख्या आरए-230 शुक्रवार सुबह 9:40 बजे काठमांडू हवाईअड्डे पर उतरने वाली थी। हवाई यातायात में भीड़ होने के कारण विमान निर्धारित समय पर लैंड नहीं कर सका। विमान को कुछ समय हवा में रोका गया, लेकिन ईंधन पर्याप्त न होने के कारण उसे आगे प्रतीक्षा जारी रखना संभव नहीं था, जिसके चलते उसे नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर डायवर्ट किया गया। शेर्पा ने बताया कि विमान के दिल्ली में ईंधन भरकर शीघ्र ही काठमांडू लौटने की उम्मीद है।

बीबीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से माफी मांगी, मुआवजा देने से इनकार

एजेंसी

लंदन। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) ने पैनोरमा डॉक्यूमेंट्री के संपादन के लिए खेद जताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगी है, लेकिन मुआवजा देने से इनकार कर दिया है। इस विवाद में बीबीसी के महानिदेशक टिम डेवी और बीबीसी न्यूज प्रमुख डेबोरा टर्नेस को इस्तीफा देना पड़ा है।द इंडिपेंडेंट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के वकीलों ने धमकी दी थी कि अगर बीबीसी ने अपना बयान वापस लेते हुए माफी नहीं मांगी तो एक अरब डॉलर (76 करोड़ पाउंड) का मुआवजा मांगेंगे। बीबीसी ने खेद जताते हुए पैनोरमा का संस्करण दोबारा नहीं दिखाने पर भी सहमति जताई है। बीबीसी प्रवक्ता ने कहा, हमारे वकीलों ने रविवार को मिले पत्र का जवाब दिया

है। बीबीसी अध्यक्ष समीर शाह ने व्हाइट हाउस को एक निजी पत्र भेजकर राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट किया है कि उन्हें और कॉर्पोरेशन को छह जनवरी, 2021 को कार्यक्रम में दिखाए गए राष्ट्रपति के भाषण के संपादन के लिए खेद है।उन्होंने कहा, बीबीसी की किसी भी बीबीसी प्लेटफॉर्म पर डॉक्यूमेंट्री ट्रंपः अ सेकंड चांस? का पुनः प्रसारण करने की कोई योजना नहीं है। बीबीसी को वीडियो क्लिप के संपादन के तरीके पर गहरा खेद है, लेकिन हम इस बात से पूरी तरह असहमत हैं कि मानहानि के दावे का कोई आधार है। अब देखना यह है कि ट्रंप इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।यह कार्यक्रम अमेरिकी चुनाव से एक सप्ताह पहले प्रसारित किया गया था।

संपादित क्लिप में ट्रंप भीड़ से कह रहे हैं, हम कैपिटल तक चलेंगे और मैं वहां आपके साथ रहूंगा, और हम लड़ेंगे। हम जी-जान से लड़ेंगे। बीबीसी के स्वतंत्र सलाहकार माइकल प्रेस्कॉट इस तरह के संपादन के आहत होकर गर्मियों में इस्तीफा दे चुके हैं। उन्होंने बीबीसी पर व्यवस्थागत पूर्वाग्रह होने का आरोप भी जड़ा था।

बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को सुनाएगा फैसला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 (आईसीटी-1) अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके दो करीबी सहयोगियों के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगा। आईसीटी-1 के न्यायाधीश मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण ने कड़ी सुरक्षा और खचाखच भरे अदालत कक्ष में बुधवार को यह तारीख तय की। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना, पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप है। चौधरी मामून बाद में इस मामले में सरकारी गवाह बन चुके हैं। न्यायाधिकरण ने दलीलें सुनने और मुकदमे की कार्यवाही पूरी करने के बाद फैसले की तारीख तय की। न्यायाधिकरण के आसपास सुबह से ही बांग्लादेश सेना, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश, रैपिड एक्शन बटालियन, सशस्त्र पुलिस बटालियन और पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था। साथ ही सेना और पुलिस दोनों के बख्तरबंद वाहन भी पास में तैनात थे। यह कदम बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया, क्योंकि अवामी लीग ने आज बंद आहूत किया है। इस दौरान बम विस्फोटों और वाहनों पर आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। न्यायाधिकरण के फैसले की तारीख मुकर्रर करने के बाद मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने संवाददाताओं से कहा, हमें उम्मीद है कि अदालत फैसले में अपनी बुद्धिमत्ता और विवेक का प्रयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आरोपितों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। न्यायाधिकरण को मानवता के विरुद्ध अपराधों के खिलाफ फैसले में मिसाल कायम करनी चाहिए। ताजुल ने चेतावनी दी कि न्यायिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने का कोई भी प्रयास अदालती कार्यवाही में बाधा डालने के समान होगा। उन्होंने कहा, अशांति भड़काने या हिंसा का प्रयास करने वालों से कानून के तहत निपटा जा रहा है। छिटपुट घटनाओं का फैसले पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हसीना और असदुज्जमां का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील आमिर हुसैन ने विश्वास जताया कि उनके मुवक्किल बरी हो जाएंगे। आमिर ने कहा कि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक मामून अपने करीबियों को फंसाकर खुद को बचाने के लिए सरकारी गवाह बन गए।

नोबेल पुरस्कार विजेता के साथ कुमाऊँ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो. साहू का संयुक्त शोध पत्र प्रकाशित

एजेंसी

नैनीताल। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो.नंद गोपाल साहू ने नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो.कोस्त्या एस नोवोसेलोव के साथ संयुक्त शोध कर देश का मान बढ़ाया है। दोनों के द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित उच्च-स्तरीय समीक्षा अध्ययन में फेंके गए प्लास्टिक को उन्नत नैनो कार्बन पदार्थों में बदलकर ऊर्जा भंडारण उपकरणों में उपयोग की संभावनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। यह शोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की वैज्ञानिक क्षमता, नवाचार और सुदृढ़ शोध परंपरा को नई पहचान प्रदान करता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह समीक्षा अध्ययन एल्सेवियर प्रकाशन के विश्व-प्रसिद्ध जर्नल रिन्युएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी रिव्यूज में प्रकाशित हुआ है। इसका प्रभाव कारक 16.3 है, जो इसकी वैज्ञानिक गुणवत्ता को दर्शाता है। लेख का शीर्षक 'फंक्शनल नैनोकार्बन्स फ्रॉम वेस्ट प्लास्टिक्स फॉर एनर्जी स्टोरेज एप्लिकेशंस' है। इसके लेखक प्रो.साहू और प्रो.नोवोसेलोव तथा उनके विद्यार्थी चेतना तिवारी, कुंदन रावत, यंगनम किम, तनुजा आर्या, सुनील ढाली, श्रवेंद्र राणा, दारिया वी आंद्रेएवा, बारबारोस ओजयिलमाज, रेमी महफूज, नादा करी व योंग चाए जंग हैं। कुमाऊँ विवि के कुलपति प्रो.दीवान रावत, कुलसचिव डॉ. एमएस मंद्रवाल, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता तथा परिसरों के शिक्षकों ने प्रो.साहू को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

बलोचिस्तान में बस और रेल सेवा बंद, हवाई जहाज का किराया लाख तक पहुंचा

एजेंसी

क्वेटा। बलोचिस्तान में आम बाशिंदों का गुजर-बसर करना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान की संघीय सरकार और राज्य सरकार के सुरक्षा कारणों के कारण लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अवाम आजिज आ चुकी है। रेल और बस बंद हैं। इंटरनेट और मोबाइल इंटरनेट की सेवाएं कभी सुचारू नहीं हो पातीं। आवागमन के सस्ते संसाधन बंद हैं और हवाई सफर की कीमतें आसमान छू रही हैं। क्वेटा से बलोचिस्तान का किराया लाख रुपये तक पहुंच गया है। पश्तो भाषा में प्रसारित ऑनलाइन समाचार पोर्टल द बलोचिस्तान पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में मौजूदा मुश्किल हालात की पड़ताल की है। रिपोर्ट के अनुसार, बलोचिस्तान में आतंकवादी हमलों की आशंका की वजह से कई दिनों से रेल सेवा स्थगित है। पंजाब प्रांत जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा (बस) बंद है। इसके कारण हवाई यात्रा पर निर्भरता बढ़ गई है और किराया कई गुना बढ़ गया है। नागरिकों का कहना है कि इस वजह से अन्य शहरों और प्रांतों की यात्रा करना मश्किल गया है। बलोचिस्तान परिवहन प्राधिकरण ने बलोचिस्तान को पंजाब के डेरा गाजी खान से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-70 पर बसों, टैक्सियों और निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। क्वेटा से पंजाब और कराची के लिए रेल सेवा एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दी गई है। प्रांत के सभी 36 जिलों में 16 नवंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई। शहरी इलाकों में आंशिक बहाली की अनुमति दी गई थी, लेकिन दो दिन से शहरों में सेवा पूरी तरह से बंद है। यात्रा प्रतिबंधों से आम नागरिक, मरीज, विद्यार्थी और व्यापारी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस्लामाबाद में रहने वाले फहीम अल हसन ने बताया कि उनके एक करीबी रिश्तेदार का कल क्वेटा में निधन हो गया। सुरक्षा के चलते रिश्तेदारों ने विमान से जाने की सलाह दी। टिकट की कीमत का पता किया तो पांव तले जमीन खिसक गई। एक टिकट की कीमत 70 हजार रुपये बताई गई। परिवार के चार-पांच सदस्य जाना चाहते थे। विमान का सफर महंगा होने के कारण कोई भी अंतिम संस्कार में शामिल होने नहीं जा सका।बस और ट्रेन सेवा पहले से बंद है। गम और संवेदनाओं पर प्रतिबंधों का पहाड़ टूट रहा है। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में रहने वाले सादुल्लाह ने बताया कि उनके रिश्तेदार की लाहौर में शादी थी। इसकी तैयारी परिवार कई सप्ताह से कर रहा था। रेल और बस बंद होने के कारण वह नहीं जा सके। हवाई जहाज का टिकट खरीदना उनके बूते में नहीं। एयर ट्रैवल एजेंट अब्दुल्ला खान के अनुसार, उड़ानों की कमी है। मांग लगातार बढ़ रही है। विमान टिकट पहले से ही महंगे हैं। क्वेटा से इस्लामाबाद या कराची का किराया आम दिनों में 20 से 25 हजार रुपये होता है। नह अब 70 से 80 हजारर रुपये तक पहुंच चुका है। तत्काल टिकट की कीमत एक लाख रुपये तक पहुंच जाती है। खान के अनुसार, केवल फ्लाई जिन्ना ही क्वेटा से इस्लामाबाद और कराची के लिए दैनिक उड़ानें संचालित करती है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की तीन-चार उड़ानें और सेरेन एयर की केवल एक उड़ान है। मांग कई गुना अधिक है। बलोचिस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अख्तर काकर ने हवाई किराया में बढ़ोतरी और उड़ानों की कमी के खिलाफ बलोचिस्तान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। बुधवार को हुई सुनवाई में अदालत ने निर्देश के बावजूद व्यक्तिगत रूप से पेश न होने पर पीआईए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और नागरिक उड्डयन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्य न्यायाधीश रोजी खान बर्दिख ने पूछा है कि बलोचिस्तान के लिए उड़ानें कम और किराया अधिक क्यों है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/15/2025 12:28 AM Page 2

भारत के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को प्रधानमंत्री मोदी की श्रद्धांजलि- स्मृति से विरासत तक

प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि- सिक्के, टिकट और उपवन

प्रधानमंत्री मोदी ने पाइका विद्रोह की स्मृति में स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए।

उन्होंने बिरसा मुण्डाइ की 150वीं जयंती पर उनकी विरासत को राष्ट्रीय स्मृति में अंकित करते हुए एक सिक्का भी जारी किया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध सशस्त्र प्रतिरोध का नेतृत्व करने वाली नागा स्वतंत्रता सेनानी रानी गाइदिन्ल्यू की स्मृति में भी एक सिक्का जारी किया।

निष्कर्ष- हाशिये से इतिहास के केंद्र तक

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी अब फुटनोट मात्र नहीं रह गए हैं, बल्कि वे भारत की राष्ट्रीय गाथा के केंद्रीय पात्रबन चुके हैं।

बिरसा मुण्डार, शहीद वीर नारायण सिंह, गोविंद गुरु, सिद्धू-कान्हू, रानी गाइदिन्ल्यू, अल्लूरी सीताराम राजू और असंख्यण अन्य जनजातीय नायकों की विरासत अब संरक्षित, प्रतिष्ठित और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुलभबनाई जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भारत केवल नेताओं को ही नहीं, बल्कि संघर्ष के पीछे के लोगों, परिवारों, समुदायों और देश की स्वतंत्रता को आकार देने वाले प्रतिरोध की भावना को भी याद रखे।

औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध राष्ट्र के संघर्ष को अपने साहस से आकार देने वाले भारत के जनजातीय नायकदशकों तककमोबेशइतिहास के हाशिये तक ही सीमित रहे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, इस धारणा का स्वशरूप बदल गया है। स्मकरणीय कार्यक्रमों, स्मारकों, प्रकाशनों, प्रतीकात्मक विमोचनों और वंशजों के साथ सीधे जुड़ाव के माध्यम सेजनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाएँ अब भारत की राष्ट्रीय विरासत की आधारशिला के रूप में सम्मौनित की जा रही हैं।

राष्ट्रीय उत्सवों के जरिए इतिहास का सम्मान

जनजातीय इतिहास को जीवित बनाए रखने के महत्व को पहचानते हुएमोदी सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में स्थापित किया है, जो भारत के जनजातीय क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुण्डाय की जयंती के रूप में मनाया जाता है। समय के साथ, इस उत्सव ने जनजातीय गौरव सप्ताह का रूप ले लिया, जिसे विभिन्न मंत्रालयों और राज्यों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और शैक्षिक गतिविधियों के साथ मनाया जाता है जो जनजातीय नायकों की विरासत को जीवंत बनाते हैं।

भारत की जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व और साहस पर और अधिक बल देते हुए सरकार ने 2023 में, रानी दुर्गावती 500वीं जन्मशताब्दी के अवसर पर राष्ट्रीय समारोह की घोषणा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार इन स्मरणोत्सवों को प्रतिरोध के जीवंत स्थलों से जोड़ा है

- हूल दिवस पर, उन्होंने औपनिवेशिक उत्पीड़न के विरुद्ध संथाल नायकों- सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव और फूलो-झानो के विद्रोह को जन स्मृति में जीवित रखते हुएउन्हें सम्मानित किया।3
- राजस्थान के बांसवाड़ा में, उन्होंने गोविंद गुरु, तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू और बुधु भगत जैसे नायकों की याद में मानगढ़ धाम की गौरव गाथा में भाग लिया।4
- वे बिरसा मुण्डा की जन्मस्थली झारखंड के उलिहातु जाने वाले पहले प्रधानमंत्री भी बने। उन्होंने वहाँ उलगुलान आंदोलन के नायक को पुष्पांजलि अर्पित कर

सार्वजनिक स्थल जनजातीय नायकों का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत के सार्वजनिक स्थल भी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को प्रतिबिंबित करें।

- भोपाल स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन गोंड रानी की स्मृसति को अमर करता है।
- जननायक टंट्या भील स्टेशन और टंट्या मामा भील विश्वविद्यालय, ब्रिटिश शासन का विरोध करने वाले भील योद्धाओं की स्मृति में बनाए गए हैं।
- इसी प्रकार, प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के रांची में बिरसा मुण्डाङ्ग की प्रतिमा का अनावरण किया, जो इस जनजातीय प्रतीक और उलगुलान आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करती है।
- जनजातीय क्षेत्रों में बिरसा मुण्डान जनजातीय गौरव उपवन स्थापित किए जा रहे हैं, जो सम्माकन को समुदायों और आगंतुकों-दोनों के लिए जीवंत विरासत स्थलों में बदल रहे हैं।

इन पहलों के माध्यम से, स्मारक, स्टेशन, विश्वविद्यालय और संग्रहालय मिलकर स्मृति का एक जीवंत परिदृश्य तैयार करते हैं।

जनजातीय इतिहास को जीवंत करना- पुस्तकें, कॉमिक्स और डिजिटल कहानियाँ

प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हर पीढ़ी तक पहुँचना सुनिश्चित करते हुए देश मेंउनको याद करने की पद्धति को बदल दिया है। आदि शौर्य ई-बुक के माध्यम से, उन्होंने 150 से अधिक वर्षों के जनजातीय प्रतिरोध का डिजिटल रूप से वर्णन किया है, जबकि प्रेरक कॉफ़ी-टेबल बुक-ट्राइबल हैरिटेज ऑफ इंडिया-जनजातीय कला, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान का कीर्तिगान करती है।

इसमें रचनात्मकता जोड़ते हुए, अमर चित्र कथा के सहयोग से प्रकाशित कॉमिक संकलन फ्राइबल लीडर्स ऑफ फ्रीडम स्ट्रागल 20 जनजातीय नायकों के जीवन को रोचक तरीके से वर्णित करता है।

जनजातीय वीरता को राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना में और अधिक समाहित किया।

प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण की विशिष्ट विशेषता जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के साथ सीधा जुड़ाव रहा है, जिसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि इतिहास केवल स्मारकों के बारे में नहीं, बल्कि जीवित परिवारों के बारे में है।

- उन्होंने ओडिशा में बक्शी जगबंधु, रिंडो माझी और लक्ष्मी पांडा सहित पाइका विद्रोह के नायकोंके परिवारों को सम्मानित किया और 1817 के सशस्त्र विद्रोह में उनके साहस को नमन किया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह के वंशजों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उनका हालचाल पूछा और उनके योगदान को याद रखा जाना सुनिश्चित किया।8
- बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने बिरसा मुण्डाइ, सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू और अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को सम्मीनित करते हुए देश भर में जनजातीय समुदायों के समर्थन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

परिवारों के साथ जुड़कर प्रधानमंत्री ने इतिहास के साथ मानवीय संबंध स्थापित करते हुए इस बात पर बल दिया है कि जनजातीय नायकों का बलिदान भारत की

पहचान को आकार देता रहेगा।

स्मारक और सार्वजनिक स्थल- विरासत को सन्निहित करना

प्रधानमंत्री मोदी के विजन के तहत, भारत के जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के साहस को पूरे देश में संरक्षित और सम्मानित किया जा रहा है। 2016 के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में घोषित की गई -जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय योजना के तहत 10 राज्यों में 11 संग्रहालयों को मंजूरी दी गई है, जिससे उनके नेतृत्व और संघर्षों का सम्मान करने वाले स्थान निर्मित होंगे।10

अब तक, तीन संग्रहालयों का उद्घाटन किया जा चुका है-

- भगवान बिरसा मुण्डामस्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, रांची
- बादल भोई राज्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, छिंदवाड़ा
- राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, जबलपुर11
- प्रधानमंत्री मोदी ने जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान का भूमि पूजन भी किया।1213
- रानी माँ गाइदिन्ल्यू जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का निर्माण उनकी विरासत के सम्मान में किया जा रहा है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने इस स्मरणोत्सव को आगे बढ़ाते हुएरायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों पर भारत के पहले डिजिटल संग्रहालय का भी उद्घाटन किया, जो देश भर के नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए इंटरैक्टिव कहानियाँ और कलाकृतियाँ प्रस्तुत करता है।

इन वास्तविक और डिजिटल स्मारकों के माध्यम से, जनजातीय वीरता अब भारत के सांस्कृतिक और नागरिक ताने-बाने में गुंथ गई है, जो पीढ़ियों को उनके साहस की विरासत का सम्मान करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उपेक्षा से राष्ट्र-निर्माण तक भारत का जनजातीय पुनर्जागरण

भारत में एक दशक पहले तकआदिवासी शब्द आते ही अक्सर अभाव,दूरदराजस्थित बिना स्कूल के गांवों, पानी के लिए मीलों पैदल चलने वाली माताओं, अवसर की तलाश में जंगल छोड़ने वाले युवाओं की कहानियां सुनने-पढ़ने को मिलती थीं। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिला है और यह बदलावहै,जीवित रहने की कहानी का स्वरूप बदलकर सफलता की कहानी बन जाना।

जिसे कभी भारत के फ्रअपेक्षित मोर्चेफ्र के रूप में देखा जाता था, वह अब विकास और गौरव के सबसे जीवंत साधनों में से एक बन गया है। पहली बार, आदिवासी सशक्तिकरण एक नारा नहीं बल्कि एक आंदोलन बना है, जो न्याय, गरिमा और अवसर से प्रेरित है।

हाशिये से मुख्यधारा तक

जब 2014 में पीएम मोदी ने पदभार संभाला, उस समय तक भारत में आदिवासी विकास 4,498 करोड़ के मामूली बजट के साथ केवल एक मंत्रालय के सीमित ढांचे के भीतर संचालित होता था। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण एक राष्ट्रव्यापी मिशन के रूप में विस्तारित हुआ है। आज 42 मंत्रालय अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएसटी) के माध्यम से जनजातीय कल्याण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। 2014 से 24,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024-25 में 1.25 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होना कुल आदिवासी-केंद्रित खर्च में पांच गुना वृद्धि को दर्शाता है।

सरकार की समावेशी विकास के लिए गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुएअकेले जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट तीन गुना बढ़कर 13,000 करोड़ कर दिया गया है। डीएपीएसटी अब शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका, कौशल विकास और स्वच्छता के क्षेत्र में 200 से अधिक योजनाएं चलाता है।इससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकार सभी स्तरों पर जनजातीय प्रगति में योगदान दे। पीएमएवाई- 2.0 के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय परिवारों के लिए 25 लाख वन अधिकार अधिनियम के मालिकाना हक से लेकर 1.11 लाख घरों तक की व्यवस्था तकइस दशक मेंजनजातीय कल्याण को एक हाशिए के एजेंडे से मुख्यधारा की राष्ट्रीय प्राथमिकता में बदल दिया गया है।123

पीएम जनमन और पीएम जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (जेयूजीए)- विकास को घर-घर ले जा रहे हैं

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान ने भारत की जनजातीय विकास यात्रा में एक नए युग की शुरुआत की। 79,156 करोड़ रुपये के

परिव्यय और 17 मंत्रालयों के संयुक्त प्रयास के साथ, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में 2029 तक 63,843 आदिवासी बहुल गांवों और 112 आकांक्षी जिलों का लक्ष्य रखा गया है, जो आवास, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कनेक्टिविटी में लंबे समय से चली आ रहीकमी को दूर करता है।

केवल एक वर्ष में, आदिवासी गढ़ में इसका प्रभाव दिखाई देने लगा है-

- 4 लाख से अधिक पक्के घरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।
- लगभग 700 छात्रावास बनाए जा रहे हैं।
- 70 मोबाइल मेडिकल यूनिट की व्यवस्था अब दूरदराज के इलाकों में की जा रही हैं।
- 26,500 से अधिक गांवों में पाइप से पेयजल उपलब्ध है, जबकि 8,600 से अधिक घरों को बिजली कनेक्शन प्राप्त हुए हैं।
- लगभग 2,200 गांव अब मोबाइल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हैं, और 280 से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों की देखभाल और पोषण की जिम्मेदारीसंभाल रहे हैं।

इसके साथ ही, पीएम जनमन, 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के उत्थान पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित कर रहा है कि सबसे दूरदराज इलाके के समुदाय भी पीछे न रहें। 24,104 करोड़ रुपये के बजट के साथ यह मिशन कई मोर्चों पर समावेशी प्रगति कर रहा है

शिक्षा- उज्ज्वल भविष्य का माध्यम

2013-14 में आदिवासी बच्चों के लिए बहुत कम अवसर उपलब्ध थे, मात्र 119 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों ने लगभग 34,000 छात्रों को शिक्षा दी। सीमित वित्तीय सहायता ने कई सपनों को सच नहीं होने दिया। एक दशक बाद, तस्वीर पूरी तरह से अलग है। 2025 तक, भारत में 479 ईएमआरएस हैं जो 1.38 लाख युवाओंकोशिक्षा और कौशल प्रदान कर रहे हैं, इनमें से कई देश के सबसे दूरदराज के कोनों से पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं।

इस परिवर्तन यात्रा को आगे बढ़ाते हुए औरयह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी आदिवासी छात्र संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रहे,सरकार ने पिछले 10 वर्षों में छात्रवृत्ति में 22,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की है।अब लगभग 30 लाख आदिवासी छात्रों को प्रत्येक वर्ष छात्रवृत्ति मिलती है।यह 2013-14 में दी जाने वाली 18 लाख की राशि से उल्लेखनीय वृद्धि है, जो आकांक्षाओं को उपलब्धियों में और शिक्षा को सच्चे सशक्तिकरण में बदल रही है।8

जनजातीय आजीविका और उद्यमिता का समर्थन करना

पीएम मोदी के नेतृत्व में आदिवासियों की आजीविका में भी बदलाव आया है।

- 4,550 से अधिक वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) को मंजूरी दी गई है, इससे 12.8 लाख आदिवासी व्यक्तियों को लाभ हुआ है। बिक्री से 129 करोड़ की कमाई हुई है और 37,000 से अधिक उद्यमियों को प्रशिक्षित किया गया है, इनमें से 85 प्रतिशत महिलाएं हैं।
- ट्राइफेड और एनएसटीएफडीसी के माध्यम से जनजातीय उद्यमिता में नई मजबूती आई है, ट्राइफेड ने 117 आउटलेट्स के माध्यम से 13,000 से अधिक जनजातीय उत्पादों का विपणन किया है और एनएसटीएफडीसी ने जनजातीय व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए 2020-25 के बीच 16,650 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है।1213
- इसके अलावा, धरती आबा ट्राइबप्रेन्योर पहल के माध्यम से समर्थित आदिवासी स्टार्टअप का नया परिदृश्यणउभर रहा है। आईआईटी और आईआईएम के 50 करोड़ के इनोवेशन फंड और मेंटरशिप से समर्थित, ये स्टार्टअप सिक्किम में इको-टूरिज्म से लेकर नागालैंड में ऑर्गेनिक वेलनेस ब्रांड्स तक आदिवासी उद्यम को नया रूप प्रदान कर रहे हैं।

- 90,000 से अधिक पक्के घर बनाए गए और 92,000 से अधिक घरों में बिजली कनेक्शन दिए गए।
- घर-घर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए लगभग 700 मोबाइल चिकित्सा इकाइयों को मंजूरी दी गई।
- लगभग 6,700 गांवों में नल से जलपहुंचाया गया है और 1,000 आंगनवाड़ी केंद्र अब काम कर रहे हैं।

ये दो प्रमुख मिशन एक साथमोदी सरकार के इस संकल्प को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैंकि विकसित भारत के सपने को जमीनी स्तर पर हकीकत में बदलने के लिएसभी गांव देश की प्रगति का हिस्सा बनें और समुदाय अपनी भागीदारी निभाने में सक्षम हों।

एसईईडी(सीड) योजना डीएनटी समुदायों के जीवन को बदल रही है

विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों के उत्थान के लिए, मोदी सरकार ने 2019 में डीएनटी के लिए विकास और कल्याण बोर्ड के तहत सीड योजना शुरू की। तब से, 53 करोड़ से अधिक जारी किए गए हैं, इससे 53,000 से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। इनमें 46,000 आजीविका सहायता के माध्यम से 551 मुफ्त कोचिंग के माध्यम से और 7,000 स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से शामिल हैं। यह भारत के उन समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है जिनकी सबसे अधिक अनदेखी हुई।

स्वास्थ्य, गरिमा और आशा

2014 में आदिवासी भारत में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सीमित और असमान थी। कुछ स्वास्थ्य केंद्र, न्यूनतम विशेषज्ञों की पहुंच और रोग जांच नगण्य थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस परिदृश्य को केंद्रित बुनियादी ढांचे के विस्तार और लक्षित मिशनों के माध्यम से बदल दिया गया है। इससे पहले, एक उप स्वास्थ्य केंद्र में 5,000 लोगों को इलाज उपलब्ध हुआ करता था, एक पीएचसी 30,000 और एक सीएचसी 1.2 लाख लोगों की सेवा करता था; आज पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में इन मानदंडों में 3,000, 20,000 और 80,000 तक की छूट दी गई है, इससे दूरदराज के क्षेत्रों में भी सुलभ देखभाल सुनिश्चित होती है।

- अब, पीवीटीजी के लिए 694 सहित 1,498 मोबाइल मेडिकल यूनिट घर-घर स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रही हैं।9
- राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत, जनजातीय क्षेत्रों में 6.47 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य जांच की गई हैं।
- स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान, ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के स्वास्थ्य पर केंद्रित है। दूरदराज के क्षेत्रों में विशेषज्ञों को संगठित किया गया है। एक महीने में 3.21 करोड़ स्वास्थ्य पंजीकरण, एक सप्ताह में 9.94 लाख स्तन कैंसर की जांच और 1.25 लाख महत्वपूर्ण जांच के साथ विश्व रिकॉर्ड स्थापित किए गए हैं। यह उपेक्षा से समावेशी, निवारक जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल की ओर एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।